हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 13, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 11 जुलाई, 2023 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

बारिश से मची तबाही : पीएम मोदी ने मंत्रियों से ली जानकारी

राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से की मदद की अपील

नई दिल्ली। पूरे देश में मॉनसून सक्रिय हो गया है। इस दौरान भारी बारिश के कारण जहां देश के पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड तो वहीं मैदानी इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश से बिगड़े हालात की जानकारी ली है। उन्होंने इस बारे में वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों से बात की है। पीएमओ ने इस बारे में जानकारी दी है।

पीएमओ ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को भारी बारिश के कारण बिगड़े हालात के बारे में जानकारी दी है। उन्हें बताया गया है कि स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपालों के संपर्क में हैं। उन्होंने स्थितियों का आकलन करने के लिए पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी संपर्क किया है।

इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में भारी बारिश, भूस्खलन के कारण जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मौत से दुखी हैं। उन्होंने जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य और लोगों की मदद करने की अपील की है। पूर्व पार्टी प्रमुख ने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकताओं से अनुरोध है कि वे राहत कार्यों में अधिकारियों की मदद करें। हम सभी को मिलकर इस प्राकृतिक आपदा की कठिन चुनौतियों का सामना करना होगा। भीषण बारिश और भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोकसंतप्त परिजनों को मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में बिगड़े हैं हालात– गौरतलब है कि भारी बारिश ने उत्तर और पश्चिम भारत में तबाही मचा दी है। हिमाचल प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। बीते 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन, बादल फटने, घर ध्वस्त होने, पेड़ और बिजली गिरने से 34 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा 11 मौतें हिमाचल में हुईं। इसके अलावा, यूपी में 8, उत्तराखंड में 6, दिल्ली में 3, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा व पंजाब में दो-दो की जान गई। हिमाचल के मंडी में ब्यास नदी के उफान में 40 साल पुराना पुल बह गया है। दिल्ली में 41 साल बाद जुलाई में एक दिन में 153 मिलीमीटर बारिश हुई है। बारिश के चलते उत्तर रेलवे ने 17 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। 12 ट्रेनों के मार्ग बदलने पड़े हैं।

गडकरी ने भीषण बरसात से बिगड़ी स्थिति को लेकर की बैठक

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भीषण बारिश के कारण मची तबाही पर केंद्र सरकार सीधी नजर बनाए हुए है। जहां पीएम मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों से प्रभावित राज्यों और इलाकों के बारे में जानकारी ली है, वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी बाढ़ की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्गों पर इसे प्रभाव को लेकर विशेष बैठक की है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और अन्य सहित कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्गों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित राजमार्गों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बाढ़ को लेकर हुई विशेष बैठक में सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव, एनएचएआई के अध्यक्ष, डीजी रोड और अन्य अधिकारियों मौजूद रहे।

योगी ने की बाढ़ व जलभराव की समीक्षा

राहत आयुक्त कार्यालय को किया अलर्ट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तेज बारिश के बाद जनहित के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अतिवृष्टि के बाद अगले कुछ दिनों में प्रदेश की विभिन्न नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका है। सिंचाई एवं जल संसाधन के साथ-साथ राहत एवं बचाव से जुड़े सभी विभाग अलर्ट मोड में रहें। इस वर्ष अब तक 24 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जबकि 31 जिलों में औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई माह में इन जिलों में भी अच्छी वर्षा होने की संभावना है। मौसम की बदलती परिस्थितियों पर सतत नजर रखी जाए।

उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों में आकाशीय बिजली से कई स्थानों पर जन-धन की हानि की दुःखद सूचना मिली है। ऐसे पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। इस वर्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। आकाशीय बिजली के सटीक पूर्वानुमान (अर्ली वार्निंग सिस्टम) की बेहतर प्रणाली का विकास जरूरी है। जनहानि/पशुहानि को न्यूनतम रखने के लिए यह जरूरी है। हर गांव में रेन गेज लगाए जाने की कार्रवाई में भारत सरकार भी सहयोग कर रही है, इस कार्य को तेजी के साथ पूरा किया जाए। राजस्व एवं राहत, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण, भारतीय मौसम विभाग, केन्द्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण से संवाद-संपर्क बनाएं और ऐसी प्रणाली का विकास करें, जिससे आमजन को समय से मौसम की सटीक जानकारी मिल सके।

बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति पर सतत नजर रखी जाए। कई स्थानों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी देखी गई है। इसी तरह, सभी नदियों के जलस्तर की सतत मॉनीटरिंग की जाए। प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी की फ्लड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमों को 247 एक्टिव मोड में रहें। आपदा प्रबंधन मित्र, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार सहायता ली जानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए भी ठोस प्रयास करना होगा। जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम जलभराव से बचाव के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार व्यवस्था करे जिलाधिकारी, क्षेत्रीय सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, नगरीय निकाय के चेयरमैन व अध्यक्ष के साथ संवाद कर जलभराव के समाधान के आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि इस वर्ष सभी जिलों में धान की रोपाई सामान्य रूप से चल रही है। अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार 58.5 लाख हेक्टेयर के सापेक्ष तक 18 लाख हेक्टेयर में रोपाई हो चुकी है। धान की रोपाई की प्रगति के अनुश्रवण के लिए डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया जाए, ताकि जिलावार रोपाई की सटीक स्थिति समय पर पता चल सके।

शिमला-बिलासपुर में चार की मौत, चार लोग बहे; कुल्लू में बादल फटा, 100 बीघा जमीन बही

शिमला। हिमाचल प्रदेश में तीसरे दिन भी मूसलाधार बारिश का कहर जारी है। कुल्लू की लगघाटी के फलाण में बादल फट गया है। बादल फटने से 100 बीघा जमीन बह गई है। इसी पंचायत के एक अन्य नाले में बाढ़ के बाद भूस्खलन के खतरे को देखते हुए 12 घरों को खाली करवा दिया गया है। शिमला जिले की ठियोग तहसील के पलवी गांव में सोमवार सुबह 11 बजे एक मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दीप बहादुर, देवदासी और मोहन बहादुर के तौर पर हुई है। बिलासपुर जिले में श्री नयना देवी जी के मलेटा गांव में शादी समारोह से लौट रहा बुजुर्ग व्यक्ति नाले में बह गया। बुजुर्ग का शव करीब दो किलोमीटर दूर कालाकुंड नामक जगह पर गोबिंद सागर झील में मिला है। मृतक की पहचान रामलाल (70) निवासी गांव मलेटा तहसील श्री नयना देवी जी जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। मनाली में तीन वोल्वो बसों के बहने की सूचना है। चार लोग बहने से लापता हैं। तीन लोग मनाली से बह गए हैं। एक गाड़ी सहित बहा है। डीसी कुल्लू आशुतोष गर्ग ने बताया कि श्रीखंड यात्रा स्थगित कर दी गई है। फंसे यात्री वापस लाए जाएंगे। 6 नेशनल हाईवे समेत 828 सड़कें यातायात के लिए अवरुद्ध हैं। 4686 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। ऊना-हमीरपुर मुख्य सड़क मार्ग लठियाणी से बड़सर के बीच तीखे मोड़ पर पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण अवरुद्ध हो गया है। कुल्लू में दो दिन का लोकल हॉलीडे घोषित किया गया है। डीसी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। कुल्लू के अखाड़ा बाजार में बैली ब्रिज को भारी नुकसान हुआ है। आवाजाही बंद कर दी गई है। सोलन जिले के औद्योगिक क्षेत्र परवाणू में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सेक्टर 4 में कई गाड़ियां पानी के तेज बहाव में बह गई हैं। लोग दहशत में हैं। चंडीगढ़ मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग गंभरोला के पास भूस्खलन होने से बंद हो गया है, जिसे राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया है।

प्रतापगढ़ में हादसा : टेंपो व टैंकर की टक्कर में आठ लोगों की मौत, कई की हालत नाजुक

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के लीलापुर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। टैंकर की टक्कर से टैंपो में सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है। लीलापुर के मोहनगंज बाजार में यह हादसा हुआ है। टेंपो सवारी भरकर प्रतापगढ़ की तरफ से जा रही थी और टैंकर मोहनगंज की तरफ से आ रहा था। तेज रफ्तार टैंकर ने टैंपो में टक्कर मार दी। इससे टेंपो के परखचे उड़ गए। उसमें सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसे के बाद टैंकर की गैस लीकेज हो गई। जिसके बाद रोड पर आवागमन बंद करवा दिया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मची रही। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजवाया गया। सभी घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। एक साथ आठ लोगों की मौत से हर कोई स्तब्ध दिखा। घटना के बाद टैंकर में लीकेज शुरू हो गई। जिसके बाद पुलिस ने सड़क को खाली करवा दिया है। इससे पूरे सड़क पर सन्नाटा पसर गया है।

पीएम-सीएम को जान से मारने की मिली धमकी, पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार, देवरिया पहुंची एटीएस टीम कर रही पूछताछ

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। रोजगार न मिलने पर यूपी 112 नंबर पर फोन कर रविवार की रात में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वह गोरखपुर जनपद का रहने वाला है। यूपी एटीएस टीम सोमवार को दोपहर में देवरिया पहुंची। कोतवाली में एटीएस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर रही है। रविवार को देर रात यूपी 112 पर फोन कर एक युवक ने बताया कि वह शहर के भुजौली कालोनी का रहने वाला है और उसका नाम अरुण कुमार है। उसे रोजगार नहीं मिल रहा है। इसलिए वह प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को जान से मार देगा। यूपी 112 पर सूचना मिलने के बाद पुलिस विभाग में खलबली मच गई। उसके बाद उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया। संबंधित मोबाइल नंबर का लोकेशन निकाला गया तो उसका लोकेशन गोरखपुर जनपद के हरपुर बुदहट के देवराड़ गांव का निकाला। पुलिस ने भोर में संबंधित स्थान पर पहुंच फोन करने वाले आरोपित संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। संजय कुमार नौकरी के लिए बहुत दिनों तक परेशान रहा। अब वह मजदूरी करता है। उसने पुलिस को बताया कि वह देवरिया शहर के विभिन्न मोहल्लों में मजदूरी किया है। यूपी 112 नंबर पर फोन करने के बाद आरोपित ने मोबाइल बंद कर दिया। जिसके बाद उसका लोकेशन मिलना बंद हो गया। हालांकि पुलिस अंतिम लोकेशन व उसके काल डिटेल के आधार पर गोरखपुर पहुंच गई। देवरिया के एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि यूपी 112 नंबर पर फोन करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोतवाली पुलिस के साथ ही एटीएस भी आरोपित से पूछताछ कर रही है।

हिमाचल में बारिश से 3 हजार करोड़ का नुकसान, सीएम सुखविंदर सुक्खू बोले- केंद्र घोषित करे राष्ट्रीय आपदा

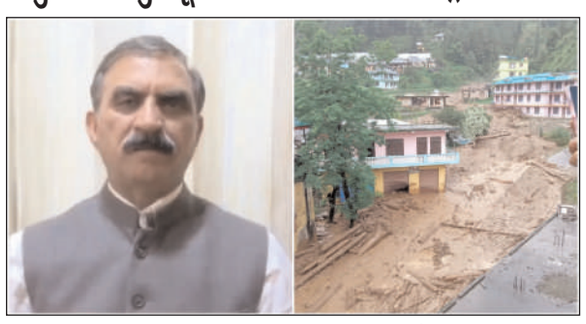

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में बारिश कहर बरपा रही है। प्रदेश के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं। हजारों लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। हिमाचल में बारिश और भूस्खलन से अभी तक 3000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यह जानकारी दी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सभी जिला उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की और नुकसान का आकलन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बारिश से 3 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सीएम सुक्खू ने ये भी बताया कि हिमाचल प्रदेश की आपदा की स्थिति को लेकर उन्होंने केंद्रीय मंत्री गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला शिव से चर्चा की है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि इस घड़ी में हिमाचल की अधिक से अधिक मदद की जाए। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों का मौसम खुलते ही दौरा किया जाएगा।

वाराणसी में कांवरियों पर हेलीकॉप्टर से बरसाए गए फूल, आसमान में ये नजारा देख झूम उठे शिवभक्त

वाराणसी। सावन के पहले सोमवार पर शिव की नगरी काशी भोलामय है। काशी विश्वनाथ धाम और कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जलाभिषेक के लिए लंबी कतार है। सावन के पहले सोमवार पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। वाराणसी में पहली बार ऐसा नजारा दिखा। पुष्प वर्षा होते देख शिवभक्तों ने हर-हर बोल बम का जयघोष किया और खुशी जताई।

वाराणसी- प्रयागराज कांवड़िया मार्ग और कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से काशी विश्वनाथ धाम तक पुष्प वर्षा की गई। सोमवार सुबह करीब सवा 11 बजे पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन, मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम हेलीकॉप्टर समेत अन्य अधिकारी पुलिस लाइन से हेलीकॉप्टर में बैठकर कांवड़ यात्रा मार्ग के ऊपर से गुजरे। गाजीपुर मार्ग पर स्थित कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर में से करीब दो क्विंटल गुलाब, गेंदा और जरवेरा फूलों की पंखड़ियों की वर्षा की। आसमान से फूलों की वर्षा होते देख कांवड़िये खुशी से झूम उठे। लोगों ने भी आसमान से हो रही पुष्पवर्षा की सराहना की। अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। इधर, सावन के पहले सोमवार पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। सुहाने मौसम के बीच बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। दशाश्वमेध, काशी विश्वनाथ मंदिर, चौक, ज्ञानवापी आदि मार्गों पर बोल बम व हर हर महादेव का उद्घोष भी करते रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने अध्यादेश पर केंद्र से मांगा जवाब, एलजी को पक्ष बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण और अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश पर मामला शांत नहीं हो रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया। अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए केंद्र द्वारा अध्यादेश लाया गया है। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार ने अध्यादेश की संवैधानिकता को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली सरकार इस पर रोक लगाने की मांग कर रही है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को अपनी याचिका में संशोधन करने के लिए कहा है। शीर्ष अदालत ने मामले में उपराज्यपाल को पक्ष बनाने का भी निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और आप सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से अपनी याचिका में संशोधन करने और मामले में उपराज्यपाल को पक्ष के रूप में जोड़ने को कहा। पीठ ने मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई को तय करते हुए कहा हम नोटिस जारी करेंगे। बता दें कि दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को रद्द करने के साथ ही इस पर अंतरिम रोक लगाने की भी मांग की है। केंद्र सरकार ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के लिए एक प्राधिकरण बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 लागू किया था। दिल्ली सरकार ने सेवाओं पर नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'धोखा' करार दिया है।

संपादकीय

शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर स्थिति संतोषजनक नहीं

देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए गए और इसी का परिणाम है कि अब ज्यादातर बच्चे औपचारिक शिक्षा के दायरे में आ गए हैं। मगर इसी के समांतर इस बात की जरूरत भी महसूस की गई कि पढ़ाई-लिखाई के दायरे के विस्तार के साथ-साथ उसमें गुणवत्ता एक अहम पहलू है और इसे सुनिश्चित किए बिना शिक्षा के प्रसार की कोई खास अहमियत नहीं रह जाएगी। इसलिए खासकर स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता की समय-समय पर जांच के लिए कुछ मानक तय किए गए और उसके मुताबिक इस बात की पड़ताल की जाती है कि किस राज्य ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की। स्कूली शिक्षा सूचकांक तैयार करने की इसी व्यवस्था के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जो ताजा ग्रेडिंग सूचकांक जारी किया है, उसमें पंजाब और चंडीगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन तो किया है, लेकिन कोई भी राज्य या फिर केंद्र शासित प्रदेश तय दस श्रेणियों में से शीर्ष पांच हासिल नहीं कर पाए। यानी कहा जा सकता है कि शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर देश के सभी राज्यों में स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है। दरअसल, सभी राज्यों में पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ भी जितना हासिल करने में सक्षम हो सके हैं, उसे अधूरी कामयाबी कहा जा सकता है। तय मानकों में इन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। गौरतलब है कि सन 2017 में शुरू किए गए इस प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक में दस ग्रेड तय किए गए हैं। इसके आधार पर भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन की स्थिति का आकलन किया जाता है। इसका मकसद शिक्षा के मामले में राज्यों का ध्यान निवेश से परिणाम की ओर स्थानांतरित करने के अलावा लगातार वार्षिक सुधारों के लिए मानक तय करना, गुणवत्ता में सुधार, सबसे बेहतर साधनों को साझा करना और राज्य के नेतृत्व वाले नवाचार के प्रयोगों को प्रोत्साहित करना है। इसमें खासतौर पर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि इस संबंध में किए गए कार्यों का नतीजा क्या सामने आ रहा है और उसका प्रबंधन कैसे किया जा रहा है। यों भी अगर किसी कार्यक्रम के सालों साल चलते रहने के बावजूद उसकी गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है तो उसका कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सकता। हालांकि देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए लंबे समय से प्रयास चलते रहे हैं। कई ठोस कार्यक्रम भी लागू किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि सबसे बेहतर संसाधन वाले राज्यों में भी उम्मीद के अनुरूप नतीजे हासिल नहीं किए जा सके हैं। दरअसल, किसी कार्यक्रम के संचालित करने के समांतर गुणवत्ता के स्तर पर लगातार बेहतरी लाना एक अनिवार्य कसौटी होनी चाहिए। देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले कई सालों से लगातार आने वाली रपटों में यही तथ्य सामने आता रहा है कि पांचवीं, छठी या उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी दूसरी या तीसरी कक्षा की किताबें ठीक से नहीं पढ़-समझ पाते। जरूरत इस बात की है कि निचली कक्षाओं के बच्चों के बीच सीखने की प्रक्रिया को ज्यादा संगठित तरीके से संचालित किया जाए और उसमें नवाचार को बढ़ावा दिया जाए, ताकि शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। वरना, सीखने-समझने से वंचित स्कूली बच्चों से समूची शिक्षा व्यवस्था का एक अधूरा पटल ही तैयार होगा।

पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू

पश्चिम बंगाल में राजनीति और हिंसा इस कदर एक-दूसरे से नालबद्ध हो चुके हैं कि वहां कोई मामूली चुनाव भी बिना मारपीट, गोलीबारी, हत्या के संपन्न नहीं हो पाता। वहां के पंचायत चुनावों में मतदान के दिन बड़े पैमाने पर हुई हिंसा इसका ताजा उदाहरण है। जब चुनाव की तारीख घोषित और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, तभी से हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया था। इन चुनावों में बड़े पैमाने पर हिंसा की आशंका जताई जा रही थी, जिसके मद्देनजर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया। केंद्रीय बलों की तैनाती का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे लेकर वहां के उच्च न्यायालय में भी मामला गया था। आखिरकार उच्च न्यायालय ने केंद्रीय बलों की तैनाती को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत राज्य इकाई के सत्तर हजार सुरक्षा कर्मी और केंद्रीय बलों की छह सौ कंपनियां तैनात की गई थीं। इसके बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हिंसा हो गई, जिसमें बारह से अधिक लोग मारे गए और बहुत सारे घायल हो गए। अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। यह चुनाव नतीजे आने के बाद भी चलता रहेगा। निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उसने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए कि इस तरह की हिंसक घटनाएं हो गईं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा एक सतत प्रक्रिया बन चुकी है। राजनीतिक दलों के कार्यकताओं के बीच लगातार दलगत संघर्ष देखा जाता है। चुनावों के वक्त वह सतह पर आ जाता है और वे बदले की भावना से एक दूसरे पर जानलेवा हमले करने से परहेज नहीं करते। एक चुनाव की वैमनस्यता दूसरे चुनाव तक बनी रहती है। विधानसभा चुनाव की वैमनस्यता पंचायत चुनाव में और पंचायत चुनाव की वैमनस्यता लोकसभा चुनाव में प्रकट होती रहती है। हालांकि यह प्रवृत्ति इसी सरकार के समय की नहीं है। जब वहां वाम दलों की सरकार थी, तब भी ऐसी हिंसक घटनाएं होती थीं। मगर इस आधार पर मौजूदा सरकार की कानून-व्यवस्था संबंधी खामियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाम दलों की करीब तीस सालों की सतत सत्ता के बावजूद वहां न लोगों के जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर आया, न कानून-व्यवस्था भरोसेमंद हो पाई, तब लोगों ने सत्ता परिवर्तन का मन बनाया था और उम्मीद की जा रही थी कि ममता बनर्जी उन अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। मगर निराश करने वाली बात है कि कानून-व्यवस्था में कोई सुधार नजर नहीं आया। ममता बनर्जी ने भी राजनीतिक हिंसा की परिपाटी को उसी तरह पोसा है, जिस तरह वाम दलों ने पोसा था। वे अपने कार्यकताओं की आपराधिक गतिविधियों के बचाव में खुद थाने में जाती देखी गई हैं। इससे स्पष्ट संकेत गया कि पुलिस प्रशासन सत्तापक्ष के कार्यकताओं की बेजा हरकतों को नजरअंदाज करे। पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी इसीलिए बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी कि सत्तापक्ष के कार्यकताओं को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त था। अब पश्चिम बंगाल में स्थिति यह है कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल भी अपने कार्यकताओं को इसी तरह तैयार करते हैं। हिंसा के बल पर अगर मतदाताओं को अपने पक्ष में करके चुनाव जीत भी लिया जाए, तो आखिर लोकतंत्र कहां बचा रहता है। यह समझ से परे है कि जब सत्ताधारी दल खुद अपने कार्यकताओं को लोकतांत्रिक तरीके से मतदान कराने का पाठ नहीं पढ़ा सकता, तो उससे दूसरे दलों के उपद्रवियों पर काबू पाने की कितनी उम्मीद की जा सकती है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष : विश्व समुदाय में अधिकतम आबादी के साथ भारत की उपस्थिति के मायने

दिव्यांशी लेखिका

सम्पूर्ण विश्व में प्रत्येक वर्ष 11, जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। लेकिन इस वर्ष यह दिवस खास है क्योंकि इस बार इसकी थीम महिलाओं पर केंद्रित है जो कि कुछ इस प्रकार है- ह्लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करनाः हमारी दुनिया की अनंत संभावनाओं को अनलॉक करने के लिए महिलाओं और लड़कियों की आवाज को ऊपर उठाना ह्व आज 21वीं सदी के विश्व में वैश्विक जनसंख्या की 49.7 प्रतिशत आधी आबादी की उपस्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आज जब सम्पूर्ण विश्व में भारत शीर्ष आबादी के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, तो इस आबादी से जुड़े कई आयाम भी दृष्टिगोचर होते हैं। कुछ दशक पहले जब बढ़ती आबादी पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी , तब 1987 में पूरी दुनिया में इस बात पर नजर रखी जा रही थी कि कब दुनिया की आबादी 5 बिलियन होगी और अनुमानतः वह दिन 11 जुलाई था। अगले वर्ष संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउंसिल की ओर से इस दिन की स्मृति में 5 बिलियन डे मनाया गया। इस समस्या पर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए 1990 में यूएनओ ने 11, जुलाई को ?वर्ल्ड पापुलेशन डेह्व घोषित कर दिया।

ऐसे में यदि भारत के संदर्भ में बात की जाए तो संयुक्त राष्ट्र के हालिया आंकड़े से पता चलता है कि भारत की जनसंख्या 1428.6 मिलियन के साथ चीन को (1425.7मिलियन) पीछे छोड़ते हुए विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। यदि हम आयु वर्ग के अनुसार देखें तो भारत की 25 प्रतिशत आबादी 0-14 वर्ष आयु वर्ग है, 10-19 में 18 प्रतिशत, 10-24 में 26 प्रतिशत,15-64 में 68 प्रतिशत और 7 प्रतिशत आबादी 65 वर्ष के ऊपर है।

अकादमिक जगत भारत की जनसंख्या को लेकर तमाम प्रश्नों का विश्लेषण अलग-अलग आयामों से करता रहा है। कुछ विद्वान इसे जनसांख्यिकी लाभांश की तरह देखते हैं तो कुछ इसे जनसंख्या भार की तरह। अब हमारे समक्ष सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब हम पूरी दुनिया में सबसे अधिकतम आबादी के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं तो यह हमारे लिए सकारात्मक साबित होगा या नकारात्मक।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर यदि समस्त आयामों पर बात की जाए तो सबसे पहले हम यह देख सकते हैं कि जनसंख्या वृद्धि हमारे लिए नकारात्मक कैसे साबित हो सकती है।

सर्वप्रथम यह स्पष्ट है कि जितनी अधिक जनसंख्या होगी उतना ही अधिक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन होगा। ऐसे में अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हमारे द्वारा लिये गये सतत विकास के संकल्पों पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। एक अन्य पहलू भारत की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है ऐसे में अत्यधिक जनसंख्या बढ़ने से कृषि जोतों में कमी आएगी और कृषि योग्य भूमि का अत्यधिक दोहन कृषि विकास को भी बाधित करेगा। बढ़ती हुई जनसंख्या देश के प्रति व्यक्ति आय पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इससे प्रति व्यक्ति आय में कमी आती है, जिससे व्यक्ति का जीवन स्तर नीचे होता होता चला जाता है और आगे चलकर यह अन्य समस्याओं को भी जन्म देता है। सीमित संसाधनों के चलते यदि सरकार सभी जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराने में असफल साबित होती है तो यह चोरी ,हिंसा व अपराध जैसे अनेक असामाजिक समस्याओं का भी कारक है।

उपरोक्त नकारात्मक निष्कर्षों के बावजूद भी बढ़ती जनसंख्या में उम्मीद की रोशनी को देखा जा सकता है। हमें यह समझने की भी जरूरत है कि यह जनसंख्या जिसमें की अत्यधिक युवा आबादी है यह भारत के लिए किस प्रकार मील का पत्थर साबित हो सकती है।

यदि हम अधिकतम जनसंख्या के सकारात्मक पहलुओं को देखें तो हम यह भी देख पाते हैं कि अधिक जनसंख्या से गरीबी नहीं बढ़ती बल्कि यह हमें समृद्ध बनाती है। अर्थशास्त्री जूलियस साइमन ने 1981 की अपनी एक पुस्तक में स्थिति को इंगित किया है कि जब-जब जनसंख्या विस्फोट हुआ है तब-तब उत्पादकता में भी अपार वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए माल्थस के समय से लेकर आज तक की तुलना करें तो हम देखते हैं इसी विश्व में जहां एक अरब लोग थे वहीं अब 7.7 अरब लोग हैं। इसके साथ ही हम उस समय के धनवान व्यक्ति से आज हम बेहतर जीवन जी रहे हैं'

एक बड़ी आबादी को यदि बेहतर तरीके से प्रशिक्षित किया जाए तो यह बृहद मानव आबादी उच्च आर्थिक विकास और बेहतर जीवन स्तर के संदर्भ में भी देखी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम आंकड़ों की मानें तो वर्तमान में भारत में 15-64 आयु वर्ग की आबादी 68 प्रतिशत है। जिसे जनसांख्यिकीय लाभांश के तौर पर देखा जा रहा है और यह माना जा रहा है कि अगले 25 वर्ष में प्रति 5 कार्यशील आयु वर्ग के व्यक्तियों में से एक भारत में रह रहा होगा। ऐसे मे यदि भारत इस जनसांख्यिकी लाभांश का बेहतर प्रबंधन करने में सफल होता है तो यह भारत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

कूटनीतिक संदर्भ में देखें तो संयुक्त राष्ट्र में भारत एक लंबे समय से स्थाई सदस्यता की दावेदारी पेश करता आ रहा है। ऐसे में अब भारत द्वारा एक बड़ी आबादी के प्रतिनिधित्वकर्त्ता के रूप में अपनी दावेदारी को और भी मजबूती के साथ संयुक्त राष्ट्र में पेश किया जा सकता है'

जनसंख्या वृद्धि को सिर्फ सैद्धांतिक बातों से ही सकारात्मक नहीं कहा जा सकता है बल्कि व्यवहारिक प्रयास भी विश्लेषण करने योग्य है। यदि हम भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की बात करें तो इस बढ़ती हुई जनसंख्या को जनसांख्यिकी लाभांश के रूप में परिवर्तित करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयास उल्लेखनीय हैं-

1952 में परिवार नियोजन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू करने वाला भारत दुनिया का पहला देश था। कार्यक्रम में अपने शुरूआती दिनों से लेकर आज के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव आया है, आज ध्यान प्रजनन स्वास्थ्य पर है तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने पर विशेष रुप से जोर दिया जा रहा है। 2000 में शुरू की गई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति ने भी प्रजनन क्षमता को कम करने में मदद की है।

सरकार ने जनसांख्यिकीय लाभांश के लाभों को प्राप्त करने के लिए अनेक उपाय किए हैं। इन उपायों में भारतीय कार्यशील जनसंख्या का कौशल विकास करना प्रमुख है जिसके तहत 2015 में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना प्रारंभ की गयी। जिसमें 500 मिलियन लोगों को कौशल रूप से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया।

2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना की शुरूआत की गई थी इस स्कीम के तहत सरकार देश में एंटरप्रेन्योरशिप यानी स्वरोजगार को बढ़ावा देने की कोशिश करती है तथा इससे जुड़ी हुई एक अन्य योजना जिसमें महिला उद्यमियों को वरीयता दी जाती है जिससे कि वह भी स्वरोजगार हेतु प्रेरित हो सकें। 2015 में इसके लिए सरकार द्वारा अन्नपूर्णा योजना प्रारंभ की गई। इसके साथ साथ ही भारत सरकार द्वारा बच्चियों को ध्यान में रखते हुए अन्य योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान इत्यादि प्रारंभ किया गया है जिससे कि बेटियों के भविष्य को भी सुरक्षित रखा जा सके।

जैसा कि हमने देखा इस वर्ष यानी 2023 की जनसंख्या दिवस की थीम महिलाओं व बालिकाओं पर मुख्य रूप से केंद्रित है ऐसे में भारत सरकार द्वारा किए गए उपर्युक्त प्रयास इनके लिए सार्थक साबित हो सकते हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े बताते हैं कि भारत की आबादी अब विश्व में पहले पायदान पर आ चुकी है जिसमें की कार्यशील आबादी का प्रतिशत सर्वाधिक है। ऐसे में यदि सरकार द्वारा इसका बेहतर प्रबंधन किया जाए और कार्यशील आबादी की जागरूकतापूर्ण सहभागिता सुनिश्चित की जाए तो पूरी दुनिया में हमारी आबादी के सकारात्मक परिणाम अवश्य ही सामने आएंगे तथा यह आबादी विकसित भारत और विश्व गुरु के संभव सपने को निश्चित रूप से साकार करने में कारगर साबित होगी।

सत्यम-शिवम्-सुंदरम

सत्यम-शिवम्-सुंदरम स्वरूप में विराजमान महादेव दिखावे से कोसों दूर है। उन अनंत, अविनाशी की सरलता की थाह पाना मुश्किल है। वे प्रेम की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करते है। सती के प्रेम में कभी रौद्र रूप धारण करने वाले शिव, अनंत वर्षो तक मौन साधना के द्वारा पार्वती का इंतजार करते है और शिव-शक्ति के द्वारा संसार को संपूर्णता प्रदान करते है। विनायक के स्वरूप में भी वे ज्ञान की उत्कृष्टता को सिद्ध करते है। शिव सदैव सत्य का साक्षात्कार कराते है। सृष्टि के कल्याण और मंगल के लिए शिव ने स्वयं को साक्षात लिङ्ग रूप में स्थापित किया है। शिव का स्मरण आत्मा में आनंद की धारा प्रवाहित करने वाला है। महादेव का ध्यान ही अनेक सुखों का उद्गम स्थल है। शिवशम्भु का नाम और दर्शन ही मनुष्य के अनेक कष्ट को हरने के लिए पर्याप्त है। शिव ईश्वर का सबसे सरल, पवित्र और शक्तिशाली नाम है। सच्चे हृदय से शिव का स्मरण करने से अनेक पाप क्षण भर में नष्ट हो जाते है।

जिस आदि, अनंत, अविनाशी की चारों युग और कालचक्र स्वयं आराधना करते है, उस भक्तवत्सल महायोगी, जो संसार के कण-कण में व्याप्त है ने वसुंधरा पर भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने के लिए स्वयं को ज्योतिर्लिंग स्वरूप में विराजमान किया है। वह शिव शंकर अनंत काल से ज्योतिर्लिंग रूप में मृत्युलोक में निवास करते है और अनंतकाल तक इसी प्रकार इसी ज्योतिस्वरूप में भक्तों का कल्याण करते रहेंगे। शिव साक्षात आनंद का स्वरूप है। यह ज्योतिर्लिंग ही शिव के परम धाम है। शिव का ज्योतिस्वरूप ही हमारी आस्था का परम मोक्ष धाम है। ज्योतिर्लिंग शिव का वह प्रकाशस्वरूप है जहाँ पर शिव की भक्ति का सूर्य सदैव देदीप्यमान रहता है। महादेव तो भोले भण्डारी आशुतोष है। सम्पूर्ण सृष्टि ही विश्वनाथ शिव के अधीन है। पल में प्रलयंकर का रूप धारण

करने वाले शिव रुद्र रूप में सृष्टि में ताण्डव मचा सकते है और वहीं भक्तवत्सल भक्तों के कल्याण के लिए सहर्ष ही विष का प्याला स्वीकार करते है और देवो के देव महादेव की संज्ञा पाते है। वहीं शिव भक्तों के उद्धार के लिए स्वयं को ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रत्यक्ष निवास करते है एवं अपने भक्तों को मुक्ति प्रदान कर उन्हें शिवलोक में समाहित करते है।

शिव स्वरूप मोहमाया के मिथ्या रूप को जानते है, इसलिए सदैव ध्यान की प्रेरणा देते है। जीवन का अंतिम ध्येय शांतचित्त स्वरूप होना है। आशुतोष जो केवल जलधारा से प्रसन्न हो जाए, जो द्रव्य हर किसी के लिए सहजता से उपलब्ध हो जाए वही शिव स्वीकार कर मनोवांछित फल प्रदान करते है। प्रत्येक आडंबर से मुक्त जगतगुरु जीवन के सत्य से साक्षात्कार कराते है। शिव संदेश देते है की हम स्वयं पर ध्यान केन्द्रित करके उन्नति के आयाम को खोज सकते है। स्वयं के आनंद स्वरूप को पहचान सकते है। हमें अपनी ऊर्जा को स्वयं के भीतर ही बढ़ाना है। स्वयं में ही आनंद के क्षण को खोजना है।

शिव तत्व में समाहित अनेक शिक्षाओं को हम अपने जीवन से जोड़ सकते है। जैसे त्रिकालदर्शी शिव त्रिनेत्रधारी है वे दो नेत्रों से बाहरी दृष्टि और तीसरे नेत्र से अंतर्मन में झाँकते है। मनुष्य को भी जीवन मे अपने बाहर और भीतर में अवलोकन करने वाला होना चाहिए। शिव उमापति की अंतर्दृष्टि हमे स्वमूल्यांकन को प्रेरित करती है। उमापति नागेश्वर तो वे देव है जिन्होंने काम को भस्म कर विजय प्राप्त की है। उमाकांत तो जीवन में उपासना को महत्व प्रदान करते है वासना को नहीं। जगपालनकर्ता शिव ने तो जीवन से कामनाओ का भी अंत कर दिया। उन्हें सिर्फ राम आराधना, राम दर्शन,राम कथा श्रवण और अपने आराध्य राम नाम के अनवरत जप की ही मनोकामना रहती है। शिव के आराध्य देव श्रीराम एवं श्रीराम के ईश्वर रामेश्वर है। महादेव पार्वती से कहते है की राम नाम विष्णुसहस्त्रनाम के तुल्य है और में सदैव राम नाम का ही भजन करता हूँ।

इस श्रावण मास में हम भोलेनाथ के आडंबर से विरक्त स्वरूप का स्मरण करते है। शिव सदैव काल को स्मरण रखते है और महाँकाल स्वरूप में काल पर विजय प्राप्त करते है। शिव का सत्यम-शिवम्-सुंदरम स्वरूप करुणा की प्रबलता पर बल देता है और आवेश व गर्जना से दूर रहकर मौन स्वरूप के महत्व को उजागर करता है। त्रिशूलधारी भगवान शिव सृष्टि के कल्याण के लिए नीलकंठ बनकर ध्यानमग्न स्वरूप में भी अपने भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करते है। उन्हीं महादेव का रुद्रअवतार निष्काम भक्ति, समर्पण एवं अनंत शक्ति का पर्याय स्वरूप रामदूत हनुमान भी भक्तों को कष्टों से मुक्ति प्रदान करता है।

मुझे दूसरों के लिए जीना है अपने लिए नहीं- मध्यमवर्ग

अपरिहार्य रूप से मध्यमवर्ग आय पिरामिड के शीर्ष पर रहने वाले लोगों और निचले पायदान पर मुफ्त चाहने वालों के बीच फंसा हुआ पाता है जब तक वह बोलेंगे नहीं उनकी स्थिति ऐसी ही बनी रहने वाली है हर कुछ महीनों में भारत का मध्यम वर्ग किसी ऐसे नीतिगत फैसले को लेकर खुद को तेज विमर्श में फंसा पाता है जिससे उनके उचित और समृद्धि की भावना आहत होती है समकालीन राजनीतिक में यह कहानी काफी हद तक दोतरफा है! नीतिगत निर्णय को संबद्धता के नजरिए से इस तरह तौला जाता है जैसे प्रत्येक निर्णय अच्छा है या फिर सारे निर्णय बेकार है और ऐसे में अक्सर तर्क और मध्यमवर्ग की आवाज को खामोश कर दिया जाता है!

पिछले दिनों विदेश यात्रा के दौरान इंटरनेशनल डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लेन-देन पर लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस)की ढाई लाख रुपए की सीमा के तहत उच्च कर थोकने के लिए आक्रोश था पहले इस पर 5% कर लगाने का प्रावधान था लेकिन जुलाई, 2023 से प्रभावी नई योजना के तहत 20 % कर लगाया जाएगा। सरकार ने विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए 700000 की सीमा को भी समाप्त कर दिया है इस कर को स्रोत पर एकत्रित कर (टीसीएस) के रूप में वगीर्कृत किया जाता था, इसके लिए अनिवार्य रूप से करदाता को जिम्मेदार माना जाता है, जब तक कि कुछ और सिद्ध न हो।

यह सच है कि वार्षिक कर देनदारी के वार्षिक वर्ष के अंत में क्षतिपूर्ति के नियम हटा दिए गए हैं! यह भी उतना ही सच है कि इसका अनुपालन कठिन होगा, जिसमें कई चरण और दस्तावेज शामिल होंगे एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक की मुश्किल की कल्पना कीजिए जिसे रिटर्न भरने की जरूरत नहीं है और यदि वह पोते-पोतियो से मिलने के लिए विदेश यात्रा करें या उस असहाय नागरिक के बारे में विचार करें जो रिटर्न भरने तथा रिफंड का दावा करने के लिए बैंक, कार्ड कंपनी और आईटी विभाग के चक्कर लगा रहा होता है।

सच यह है कि लोग अपनी वह बचत खर्च करते हैं जिस पर भी कर चुका होते हैं। इसलिए प्रभावी रूप से नया नियम मेहनत से अर्जित की गई बचत पर 20% का उपभोग कर लगाएगा। चार्टर्ड अकाउंटेंट और स्टार्टअप निवेशक मोहनदास पई ने कहा लोगों को केवल रिफंड का दावा करने के लिए भुगतान क्यों करना चाहिए? व्यापार सुगमता और ईमानदार करदाता के हित में 20 फीसदी टीसीएस को वापस लेना चाहिए यदि जरूरी हो तो 2% कर लगाना चाहिए। हम बेईमान नहीं हैं। इसमें बदलाव को लेकर जो आक्रोश था, उस पर सरकार ने एक स्पष्टीकरण जारी किया 1 जुलाई 2023, से एल आर एस के तहत छोटे लेन-देन के लिए टीसीएस के औचित्य को लेकर चिंता जताई गई है।किसी भी अस्पष्टता से बचने

के लिए यह निर्णय लिया गया है कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने अंतरराष्ट्रीय डेविड या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके प्रति वर्ष 700000 रुपए तक के भुगतान को एल आर एस सीमा से बाहर रखा जाएगा और इसके लिए कोई टीसीएस नहीं लगेगा।

जीवन सुगमता और व्यवसाय सुगमता के घोषित उद्देश्य और निश्चित परिणाम के लिए अपनाए जाने वाले तरीके के बीच का विरोधाभास हैरान करने वाला है। मौजूदा शासन स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहा है और यह घोषणा करने में गर्व महसूस करता है कि भारत रोजगार सृजको? की अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है,फिर भी यह उन पेशेवरों पर 18% जीएसटी लगाने पर कायम है जिनके पास खर्चों पर भुगतान किए गए जीएसटी की भरपाई करने का अवसर नहीं है। वास्तव में भुगतान किए गए सभी करो? काय के योग जीएसटी को आयकर के साथ जोड़ देने से आय पर करके सही स्तर का पता चलता है। नीत के मनसा को लेकर स्पष्टता और सूचना की कमी के कारण मध्यमवर्ग की परेशानियां अक्सर बदतर हो जाती हैं जरा तथ्यों पर विचार कीजिए भारत 37 खरब डॉलर से अधिक की जीडीपी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है ।ऐसा नहीं हो सकता कि मजबूत राजस्व संग्रह को देखते हुए इसका उद्देश्य अपने खजाने के लिए ब्याज मुक्त नकदी प्रवाह एकत्र करना होगा,यह विदेशी मुद्रा की कमी के कारण भी नहीं हो सकता है। कुछ दिनों पहले रिजर्व बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में 599.53 अरब डॉलर है और चालू खाता बचत में भी सुधार हुआ है। विगत मई माह में जब रिजर्व बैंक ने 2000 के नोट की चरणबद्ध तरीके से वापसी की घोषणा की तो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूह में भी लोगों ने इसका जश्न मनाया।यह कोई रहस्य नहीं है कि आपात स्थिति के लिए हर परिवार घर पर एक-दो लाख नगदी रखता है घरों में महिलाओं भी विवाह या बच्चों के लिए बचत करती हैं इस मामले में सबसे बुरी बात है कि कुछ बैंकों ने घोषणा पत्र और पहचान सत्यापन के लिए प्रपत्र मुद्रित किये।शुक्र है कि बेहतर समझ बनी और उम्मीद है कि नोटबंदी के दौरान देखे गये दिनो? की पुनरावृति नहीं होगी। लोकप्रिय धारणाएं बताती हैं कि इससे चुनाव पूर्व नगदी की जमाखोरी करने वाले राजनेता फंस जाएंगे। जबकि इतिहास बताता है कि नोटबंदी के बाद 15.41 लाख करोड़ रुपए में से 99.3% से अधिक सफलतापूर्वक परिवर्तित कर दिया गया था। दरअसल भ्रष्टाचार राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी व्यवस्था में शरण लिए हुए है।

मध्यमवर्ग राहत की सांस ले सकता है,लेकिन यह अल्पकालिक होगा रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकार अपने कर आधार को बढ़ाने के लिए विदेश यात्रा करने वाले, ज्यादा बिजली बिल भरने वाले,फर्टिलिटी क्लीनिक की सेवा लेने वाले जैसे बड़े खर्च करने वालों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्रों में मतदाताओं की ताकत का पता चलता है जिनसे सबसे निचले आय वर्ग पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है और यह मध्यमवर्ग ही है जो कम से कम सरकार के खर्च का कुछ हिस्सा चुका रहा है। उदाहरण के लिए कांग्रेश द्वारा जारी 2 करोड़ गारंटी कार्डों की पूर्ति के लिए कर्नाटक पर 50,000 करोड़ रुपए से अधिक लागत आने का अनुमान है।ऐसी ही योजनाओं की घोषणा अन्य राज्यों द्वारा की जा रही है स्वास्थ्य एवं शिक्षा के बदले मुफ्त दिए जा रही है मध्यमवर्ग को यह सवाल पूछना चाहिए कि किसकी कीमत पर किसको फायदा हो रहा है। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक पैरग्मेलियन में मध्यम वर्ग के भाग्य का स्पष्ट वर्णन किया था मुझे दूसरों के लिए जीना है, अपने लिए नहीं: यह मध्यम वर्ग की नैतिकता है।

रामाश्रय यादव जिला अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद मऊ

बिजली राशन फ्री तो पीने के पानी पर टैक्स क्यों : राकेश कुमार सिंह

घर-घर जल नल योजना के तहत हो रहे कार्य पर प्रधान संघ ने जताया असंतोष मुख्यमंत्री के नामित सीडीओ को दिया पत्रक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेवापुरी जिला प्रधान संघ ने सरकार के महत्वाकांक्षी योजना घर-घर जल नल योजना के तहत हो रहे कार्यों की गुणवत्ता पर असंतोष जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री के नाम दिए गए मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी को पत्र में कहा है कि गांव में इस योजना के तहत बनाऐ जा रहे पानी की टंकी पंप एवं पाइप बिछाने के कार्य में कार्यदाई संस्था द्वारा मानक की धज्जियां उड़ाई जा रही है तथा आधा अधूरा कार्य कर इस योजना की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम सभाओं को सौंप दिया जा रहा है जबकि ग्राम सभा के पास इतना मद नहीं है कि अधूरे कार्य को पूरा कर सके संघ का कहना है कि जिन गांवों में यह योजना लागू है तथा टंकी एवं पाइपलाइन नल के माध्यम से घर-घर शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है वहां दो साल तक उस योजना के संचालन का जिम्मा ग्राम सभा की

बजाय कार्यदाई संस्था को ही दिया जाए जिससे निर्माण कार्य की पोल खुल सके और खराब होने की स्थिति में कार्यदाई संस्था उसकी मरम्मत करावे वही संघ का कहना है कि जब राशन और बिजली सरकार द्वारा फ्री दिया जा रहा है तो पीने के पानी पर क्यों टैक्स लगाया जा रहा है इसे भी फ्री किया जाए जिससे ग्रामीण जनता को इस योजना का लाभ मिल सके मुख्य विकास अधिकारी को पत्रक देने वालों में प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, प्रधान गागाना सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओम प्रकाश बर्मा, सिरिहिरा ग्राम प्रधान सोनू सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, आलोक सिंह के अलावा कई अन्य प्रधान संघ के पदाधिकारी शामिल रहे।

चित्रगुप्त वंशियो ने शोक सभा कर राजेंद्र अस्थाना को दी श्रद्धांजलि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। चित्रगुप्त वंशीय सभा ददरी घाट गाजीपुर के आजीवन सदस्य एवं विद्युत विभाग के सेवानिवृत कर्मचारी राजेंद्र अस्थाना जी के आकस्मिक दुखद निधन पर संस्था की ओर से संस्था कार्यालय पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई, इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व अस्थाना जी अपनी सेवा के दौरान जहां निष्ठा कर्मठता के साथ आम जनता की सेवा करते रहे, वही वह सादा जीवन उच्च विचार के संकल्प का भी आजीवन पालन भी किया।अपने समाज के उत्थान के लिए हमेशा चिंतितरहते थे और अंतिम क्षण तक उसके लिए चलते रहे तथा कभी किसी पद एवं प्रतिष्ठा की कामना नही किए, उनके निधन से कायस्थ समाज ही नही सम्पूर्ण जनपद शोकाकुल है ईश्वर उनके परिवार को इस असीम पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे एवं उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे इस अवसर पर प्रमुख रूप से नीरज श्रीवास्तव, शिव शंकर सिन्हा ,संदीप सभासद, सत्येंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट, अजीत नारायण लाल, नितिन आनंद,संदीप श्रीवास्तव मोनू,मुनीद्र श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, संदीप वर्मा, अनिल श्रीवास्तव स्वामी जी, शैलेंद्र श्रीवास्तव, पंकज दुबे, आदि लोग उपस्थित रहे जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया, तथा संचालन संस्था के मंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद गाजीपुर की कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को थाना कासिमाबाद

पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 01 नफर अभियुक्त को एक अदद नाजायज तमंचा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारसुदा अभियुक्त के विरुद्ध धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अन्य आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही संबंधित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में अति0 निरीक्षक महेन्द्र कुमार यादव थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल, कांस्टेबल आलोक प्रताप सिंह, कांस्टेबल सतीश कुमार शामिल रहे।

भुड़कुड़ा पुलिस ने किया पास्को ऐक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम मे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन मे व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के निकट प्रर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक भुड़कुड़ा के कुशल निर्देशन में अति0प्र0नि0 हीरामणि यादव तथा कांस्टेबल सोनू यादव द्वारा पास्को ऐक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को सोमवार को समय 09.40 बजे तालगांव बस्ती से कुछ दूर पक्की सड़क पर ग्राम बिजहरी से रेलवे स्टेशन जखनियाँ पर जाते समय गिरफ्तार किया गया।

डीएम ने किया महाहार धाम के हर रास्ते का निरीक्षण, किया दर्शन पूजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पवित्र त्यौहार श्रावण मास के प्रथम सोमवार को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने शहर के ददरी घाट एवं महाहर धाम जाने वाले रास्तो का स्थलीय निरीक्षण एवं मंन्दिर में पूजा अर्चन किया। श्रावण मास मे काफी संख्या मे श्रद्धालु, कावड़ यात्रियों की भीड़-भाड़ एवं मुख्य मंदिरो पर जाने हेतु जलाभिषेक के लिए आवागमन होता है। कावरियों द्वारा जल भर कर महाहर धाम जाकर पूजा अर्चन किया जाता है। इस उद्देश्य से जिलाधिकारी ने महाहर धाम के विभिन्न मार्गो एवं स्थलो का निरीक्षण कर श्रद्धालु, कावड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस हेतु अधिकारियों

का निर्देश दिया। उन्होने अधिकारियों से रास्तो में साफ-सफाई, बैरिकेटिग की व्यवस्था, शहर में भारी वाहनो के लिए रूट डायवर्जन, सीसी टीवी की उपलब्धता, एवं सुरक्षा व्यवस्थाओ की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिले भर के शिवालयों पर रही बोल बम की गूंज, उमड़ पड़ा शिवभक्तों का जन सैलाब

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सावन के पहले सोमवार को जनपद भर में बोल बम के नारों के साथ श्रद्धालुओं का जनसमूह बाबा को जल चढ़ाने निकल पड़ा। शिव के जलाभिषेक के लिए कावरियो का जनसमूह बोल बम के उद्घोष के साथ जिले के शिव मंदिरों में उमड़ पड़ा। नगर के महादेवा स्थित सिद्धेश्वर महादेव, बूढ़े नाथ महादेव, मिश्र बाजार, चीतनाथ, ददरी घाट, सैदपुर के बूढ़े महादेव, जमानिया के महेवा गांव स्थित बाबा महेश्वर नाथ, कासिमाबाद के सुकहा स्थित शिव मंदिर, जखनिया क्षेत्र के बूढ़ानपुर स्थित दुर्गेश्वर महादेव, करीमुद्दीनपुर स्थित ऊंचाडीह नागेश्वर महादेव, असावर स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अन्य शिवालयों में देवाधिदेव का जलाभिषेक रुद्राभिषेक और आरती का सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। जबकि महाहर धाम तथा बाबा धाम जलाभिषेक के लिए कवारियो का जत्था शनिवार से ही रवाना लेना शुरू कर दिया। सनातन धर्म में सावन माह का विशेष महत्व होता है। पूरे माह भक्तजन भगवान शिव की आराधना में लीन रहते हैं। सावन माह का शुरूआत हो चुका है जो इस बार 69 दिन का होगा।इस बार सावन मास में 8 सोमवार पड़ रहे हैं।

मारपीट व हत्या के 3 आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से आला कत्ल 3 अदद डंडा बरामद

भदोही। थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर, पनवरिया में राजेंद्र प्रसाद यादव पुत्र स्व0 सीताराम यादव व लाल साहब यादव पुत्र महेंद्र यादव निवासीगण उपरोक्त व इनके पारिवारिक लोगों द्वारा आपस में जमीन सम्बंधी विवाद को लेकर लाठी-डंडे से मारपीट की गई। एक पक्ष के लोगों द्वारा महिला को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। गम्भीर रुप से चोटिल महिला राजकुमारी पत्नी राजेंद्र प्रसाद यादव उम्र करीब 50 वर्ष की वाराणसी में ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में तत्समय ही प्राप्त तहरीर के आधार पर आरोपीगण लालसाहब यादव व रोहित यादव पुत्रगण महेंद्र यादव तथा राकेश यादव व राजेश यादव पुत्रगण शिवनाथ यादव पर अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विवेचनात्मक कार्यवाही

प्रचलित की गई।

पुलिस अधीक्षक भदोही डॉ0 अनिल कुमार द्वारा मारपीट के दौरान हत्या की घटना में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए निर्देश स्थानीय पुलिस द्वारा हत्या के 03 आरोपियों लालसाहब यादव पुत्र महेंद्र यादव, राकेश यादव व राजेश यादव पुत्रगण शिवनाथ यादव समस्त निवासीगण जलालपुर, पनवरिया थाना व जनपद भदोही को रेलवे स्टेशन भदोही रोड के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 03 अदद आला कत्ल बांस का डंडा बरामद किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों का विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उ.नि. कुर्बान अली, उ.नि. कृष्ण बिहारी गिरी, हे.कां. संजय चौरसिया व कां. दीपक कुमार शामिल थे।

थाना समाधान दिवस पर दूर हुई समस्याएं

कुल-151 प्रार्थना पत्रों पर 56 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

भदोही। शनिवार को आयोजित "थाना/सम्पूर्ण समाधान दिवस" के क्रम में जनपद के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी, द्वारा पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ थाना कोईरौना पर उपस्थित रहकर फरियादियों की समस्याओं को

सुना गया। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शिव नारायन सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती द्वारा थाना गोपीगंज एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों पर राजस्व टीम के साथ समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया व उनका निस्तारण राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में किया गया। थाना समाधान दिवस के दौरान समस्त थानों पर प्राप्त कुल-151 प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 56 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। साथ ही 64 प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया एवं शेष 31 प्रकरणों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु व्यापक निर्देश दिए गए।

जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा कुछ प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। जमीन सम्बंधित थाना स्तर, आइजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने एवं दोनों पक्षों को सूचित करते हुए पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट आख्या दोनों पक्षों के समक्ष ही बना कर उनके हस्ताक्षर कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

औषधि निरीक्षक के बर्खास्तगी की मांग

जौनपुर। केमिस्ट एंड कास्मेटिक वेलफेयर एसोसिएशन पड़ोसी जनपद अमेठी में दवा व्यवसायियों के ऊपर हो रहे उत्पीड़न पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। संगठन के अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को पत्र भेजकर अमेठी जिले के औषधि निरीक्षक को बर्खास्त करने और पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. संगठन के अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि पूरे प्रदेश में दवा व्यावसायियों के दुकानों की जांच के नाम पर सर्वे कर लाइसेंस को निलंबित कर बड़ा खेल खेला जा रहा है। उनका भयादोहन कर मानसिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा । जिसका विरोध करने पर अमेठी जिले के कई दवा विक्रेताओं के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। अपने पत्र में संगठन के अध्यक्ष ने माननीय मुख्यमंत्री से औषधि कानून में संशोधन की भी मांग करते हुए अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस निलंबन के जगह जुमार्ने का प्रावधान होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद ने शुरू किया एक लोटा जल ज्ञानवापी मुक्ति के नाम अभियान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद ने काशी में एक लोटा जलाभिषेक ज्ञानवापी मुक्ति के नाम अभियान की घोषणा की है अभियान के बारे विस्तार से बताते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा० ज्ञान प्रकाश मिश्र ने बताया कि ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद वर्ष 1986 से ही लगातार ज्ञानवापी परिसर सहित इस्लामी आक्रांताओं द्वारा कलंकित किए गए सभी धर्मस्थलों की मुक्ति हेतु निरन्तर संघर्ष कर रहा है और हिंदू जनमानस को जाग्रत करने में लगा है क्योंकि हर हिन्दू को विदित है कि यह संघर्ष हिंदू स्वभिमान को जगाए रखने, एवं बनाए रखने हेतु ही है उन्होंने ने बताया कि वर्ष 2016 से ही यह संगठन युवाओं में नित्य ही नए कलेवर के साथ हिंदू युवा शक्ति को साथ जोड़कर कार्य कर रहा है परिणाम स्वरूप आज इस संगठन से हिंदू समाज की अपेक्षा भी बढ़ चुकी है ज्ञानवापी मुद्दा : प्रमुख पहलू नाम से बौद्धिक गोष्ठियों की श्रृंखला विभिन्न विद्वानों के माध्यम से जनता को जागरूक करने के लिए लगातार चलाया जा रहा है उसी कड़ी में आगामी कार्यक्रम 15 जुलाई को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नियत है इस बार पवित्र श्रावण मास पुरुषोत्तम मास के साथ सुखद संयोग भी प्रदान कर रहा है अतः देश के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक श्रद्धालु शिवभक्त इस अभियान से जुड़े और बाबा श्री काशी विश्वनाथ अपने भव्य भवन में विराजमान हों, ऐसी कामना से एक लोटा जलाभिषेक भोलेनाथ को अर्पित करें जिससे आध्यात्मिक शक्तियां इस आंदोलन को सफल बनाने में सहायक हों इस वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष प० शिवकुमार शुक्ल एवं महामंत्री डा वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी द्वारा अभियान का डिजिटल पोस्टर भी जारी किया गया इस दौरान अभियान के संयोजक राजा आनंद ज्योति सिंह एडवोकेट, सह संयोजक पतंजलि पांडेय, अनिल शास्त्री तथा अभिषेक निगम भी मौजूद रहे।

शिव मंदिर में दिखी भक्तों की भीड़ लगे बंम बंम भोले के जयकारे

प्रखर चंन्दवक जौनपुर। चंन्दवक स्थानीय बाजार के चंन्दवक चंद्रकेशवर महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को भक्तों की लगी लम्बी लाइन लगें बंमबंम भोले के जयकारे श्रद्धालुओं की भोर से ही भगवान भोले नाथ के मंदिर मे जलाभिषेक के लिए लगी लम्बी लाइन भक्तों ने जल को चढाकर लगाए बंमबंम भोले के जयकारे भगवान भोले नाथ के शिवलिंग पर चढाकर अपनी मन की सारी मुरादें पूरी करने लिए मागी इच्छा पुर्ण वरदान। इस दौरान भगवान भोलेनाथ के मंदिर में पूजा अर्चना के साथ साथ लगे बंमबंम भोले के जयकारे इस दौरान आरोग्य डायनोस्टीक सेंटर के तरफ से कावरियों के लिए भंडारे आयोजन भी किया गया है।

तहसील पिंडरा के वकील पर जानलेवा हमले का प्रयास

प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को एसीपी पिंडरा से मिलकर वकील के ऊपर जानलेवा हमला करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। एसीपी पिंडरा अमित पांडेय को दिए तहरीर में पीड़ित वकील जगदम्बा मिश्रा ने आरोप लगाया कि वह 8 जुलाई को अपने बेटे नवीन को क्वींस कॉलेज से परीक्षा दिलाकर वापस बाइक से घर आ रहे थे। तभी 10 से 12 अज्ञात लोग पीछा करते हुए हरहुआ ब्रिज पर पीछे से आये और रुकने का इशारा किया लेकिन जब नही रुका तो वह पैर से बाइक को गिराने की कोशिश करने लगे। लेकिन मैं किसी तरह वापस बाइक गलत दिशा से शिवपुर की तरफ लेकर भागा जिससे जान बच पाई। वही पिंडरा तहसील के वकीलों ने एसीपी से अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारी रहे।

मोहनसराय में नो एंट्री की वजह से ट्रकों की लगी लंबी लाइन

दिन भर चला जाम का सिलसिला, राहगीर परेशान

रोहनिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर मोहनसराय हाईवे स्थित चौराहे पर बीती रात्रि में नो एंट्री के कारण रात भर कोई भी भारी वाहन मोहनसराय से वाराणसी जाने वाली रोड पर पुलिस द्वारा नही जाने दिया गया। जिसके कारण शनिवार को राजातालाब से मोहनसराय तक तथा करना डाड़ी से मोहनसराय तक हाईवे पर दोनों तरफ ट्रकों की लंबी लाइन लग गयी। जिसके कारण राजातालाब से वाराणसी जाने वाले रोड पर दिन भर जाम की स्थिति बनी रही जिससे यातायात काफी प्रभावित रहा।जिसके दौरान राहगीरों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सबसे बड़ा छात्र संगठन विद्यार्थी परिषद : रितु पांडे

वाराणसी। महिला उत्थान समिति की अध्यक्ष श्री रितु पांडेय ने कहा कि आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को कुल 74 वर्ष हो गए, आज के ही दिन 9 जुलाई 1949 को अभाविप की स्थापना हुई, और यह आज देश का ही नहीं अपितु विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है इसकी स्थापना का मूल उद्देश्य ही राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की भावना को जगाना है और तब से लेकर आज तक यह छात्रों के हितों एवं उनके अधिकारों की रक्षा करता आया है उनके लिए प्रयासरत रहा है और संघर्षरत रहा है, वर्तमान में भी विद्यार्थी परिषद ने ऐसे कई आयाम चला रखे हैं, जिनमें मिशन साहसी, हुनर बाज, राष्ट्रीय कला मंच, सेवार्थ विद्यार्थी, एग्री विजन, एसएफडी जैसे कार्यक्रम है जो छात्रों में युवाओं में राष्ट्रीय चिंतन और आत्मनिर्भरता की भावना को जगाता है।

कालेज स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ

भदोही। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही में बीए और बीएससी बायो वर्ग तथा गणित वर्ग प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ हो गया है. प्रभारी प्राचार्य डॉ माया यादव ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया नई शिक्षा नीति के अंतर्गत किया जा रहा है. इंटर पास किए हुए छात्र महाविद्यालय की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट एसपीएमजीडीसी भदोही डॉट एसी डॉट आईएन और नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध मेरिट लिस्ट में अपना नाम और काउंसलिंग की तिथि देखकर प्रवेश के लिए आएं. अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र के प्रिंटआउट के साथ 10वीं और 12वीं कक्षा की अंक तालिका, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छाया प्रति और दो फोटो महाविद्यालय में जमा करेंगे. प्रवेश के लिए मूल प्रमाण पत्रों और स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) और चरित्र प्रमाण पत्र की मूल प्रति की भी आवश्यकता होगी. प्रवेश समिति की संस्तुति के बाद ऑनलाइन फीस जमा करेंगे. प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ अनुराग सिंह ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी विवरणिका का सावधानीपूर्वक अध्ययन अवश्य कर लें जिसमें महाविद्यालय में उपलब्ध विषय, फीस और अन्य सुविधाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

तमन्ना भाटिया ने 'कावाला' पर किया डांस

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी आने वाली फिल्म जेलर का गाना 'कावाला' पर डांस किया है। हाल ही में फिल्म जेलर का ट्रेलर रिलीज हुआ है। फिल्म जेलर के ट्रेलर में तमन्ना भाटिया, रजनीकांत के साथ कावाला

गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इस गाने को शिल्पा राव और अनिरुद्ध रविचंदर ने गाया है। अनुराज कामराज ने गाने के लिरिक्स लिखे हैं। तमन्ना भाटिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस गाने पर अपनी डांस वीडियो शेयर की है। वीडियो में तमन्ना के साथ बैकग्राउंड में दो और डांसर्स भी नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए तमन्ना ने लिखा,यदि आप पर अब तक इस गाने का नशा नहीं चढ़ा है तो हुकस्टेप ये रहा। सोशल मीडिया पर तमन्ना की डांस वीडियो पर फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

मानसून

में बीमारियों से बचें

नई दिल्ली। मानसून अपने साथ कई प्रकार की बीमारियां लेकर आता है। इस मौसम में स्वस्थ रहने के लिए इम्यूनिटी को मजबूत बनाना और सावधानी बरतना बहुत जरूरी होता है। बारिश में सीजनल बीमारियां और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मामले भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। बाहर के अनहाईजनिक खाने से पेट का संक्रमण हो सकता है और सड़े-गले और खराब फल और सब्जियां भी स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होती हैं।

■ सीजनल बीमारियां

बारिश के मौसम में सीजनल बीमारियां, स्किन इंफेक्शन, कोल्ड और फ्लू, टायफाइड, हेपेटाइटिस-ए, मलेरिया और डेंगू, हैजा यानी कॉलेरा के शिकार हो सकते हैं।

■ भीगने और नंगे पैर चलने से बचें

बारिश के मौसम में अपने बच्चों को बारिश में भीगने और नंगे पैर घूमने से रोकें। भीगन की वजह से बच्चों को स्किन इंफेक्शन, कोल्ड और फ्लू हो सकता है वहीं बिना फुटिवयर के चलने से गंदे पानी की वजह से संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में बच्चों को बंद जूते या सैंडल पहनने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि बच्चे गंदे पानी, कीड़ों और संक्रमण से बच सकें।

■ स्ट्रीट फूड हैं खतरनाक

बारिश में स्ट्रीट फूड खाने से बचना चाहिए, क्योंकि स्ट्रीट फूड बनाते वक्त हाइजिन का ध्यान नहीं रखा जाता, ऐसे काफी समय से रखा हुआ बासी खाना, तला भुना खाना खाने से पेट की समस्या हो सकती है। कई बार बारिश के मौसम में स्ट्रीट फूड खाने से पट दर्द, संक्रमण, एलर्जी और फूड पॉयजनिंग भी हो जाता है।

हाथ धोएं

हमेशा खाना खाने से पहले साबुन या लिक्विड सोप से हाथों को जरूर धोएं। बारिश के मौसम में हाथों पर सबसे ज्यादा कीटाणु और बैक्टीरिया चिपकते हैं और जब ये बैक्टीरिया पेट के अंदर चले जाते हैं तो बीमारी या इंफेक्शन पैदा कर सकते हैं।

■ कच्चा खाना बीमारी की वजह

बारिश के मौसम में मेटाबोलिज्म काफी स्लो हो जाता है और खाना भी देर से पचता है। किसी भी तरह का कच्चा खाना आपको बीमार कर सकता है इसलिए इस मौसम में जूस पीने से बचे और सलाद खाने से पहले उसे अच्छी तरह से धो लें या उसे स्टीम्ड करके खाएं। ज्यादा देर कटा हुआ फल भी नहीं खाना चाहिए।

■ उबाला पानी पीना सबसे अच्छा

बारिश में पीने के पानी से सबसे पहले इंफेक्शन होता है इसलिए इस मौसम में पानी उबाल कर पीना चाहिए। पानी उबालकर पीने से डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकता हैं।

डाक्टर की सलाह

एनडीएमसी के पूर्व चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल बंसल ने बताया कि बुजुर्गों और बच्चे को मानसून में सबसे अधिक बीमारियों का खतरा होता है। सबसे पहले तो उन्हें भीगने से बचना चाहिए। अगर भीग गए हैं तो गीले कपड़ों को तुरंत बदलें। खानपान में स्वस्छता बहुत जरूरी है ताजा और गर्म खाना ही खाएं। फिल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी ही पीएं। मच्छरों से बचें। स्ट्रीट फूड ना खाएं। अगर बीमार हो गए है तो खुद इलाज करने के बजाय किसी अच्छे चिकित्सक से इलाज कराएं। ■ प्रभा किरण

उम्र बढ़ना

एक जटिल प्रक्रिया, जो दो लोगों में समान नहीं होती

एन आर्बर (द कन्वरसेशन)। आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते होंगे, जो अपनी वास्तविक उम्र से छोटा दिखाई देता होगा। इसी तरह आप ऐसे लोगों के भी संपर्क में आए होंगे, जो अपनी उम्र से काफी बड़े नजर आते हैं। क्या कारण है कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया हर व्यक्ति में समान नहीं होती? मैंने अपने पूरे करियर में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया (एजिंग) पर अध्ययन किया है। उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से जुड़े अनुसंधान में ऐसा समाधान नहीं तलाशा जाता, जो ढलती उम्र में आपको होने वाली हर बीमारी से निजात दिला सके। बल्कि, पिछले एक या दो दशक में हुए शोध इस ओर इशारा करते हैं कि 'एजिंग' एक बहुकारकीय प्रक्रिया है और इसे महज एक उपाय से नहीं रोका जा सकता।

■ 'एजिंग' एक बहुकारकीय प्रक्रिया है और इसे महज एक उपाय से नहीं रोका जा सकता

क्या है 'एजिंग'

एजिंग की अलग-अलग परिभाषाएं हैं, लेकिन वैज्ञानिक आमतौर पर कुछ समान कारकों पर सहमत होते हैं, उम्र बढ़ने की प्रक्रिया समय पर निर्भर करती है, जो व्यक्ति को बीमारियों, चोट और मौत के खतरे के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। यह प्रक्रिया प्राकृतिक-जब अपका शरीर खुद नई तरह की समस्याएं पैदा करने लगता है और बाह्य-जब पर्यावरणीय कारणों से आपकी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है, दोनों ही कारणों से होती है। आपका शरीर खरबों कोशिकाओं से बना है और प्रत्येक कोशिका न केवल उस ऊतक के लिए एक या अधिक कार्यों को पूरा के लिए जिम्मेदार होती है, जिसमें वह रहती है, बल्कि उसे खुद को जीवित रखने के लिए जरूरी सभी कार्य भी करने होते हैं। इन कार्यों में पोषक तत्वों को पचाना, अवशेष बाहर निकालना, अन्य कोशिकाओं के साथ संदेशों का आदान-प्रदान करना और तनाव से निपटना शामिल है। समस्या की बात यह है कि आपकी हर कोशिका के सभी घटकों और प्रक्रियाओं को बाधित या क्षतिग्रस्त किया जा सकता है। तो इस प्रकार आपकी कोशिकाएं इस समस्या को रोकने, पहचानने और निदान करने में रोजाना काफी ऊर्जा खर्च करती हैं। दशकों के शोध से यह बात सामने आई है कि तकरीबन प्रत्येक कोशिकीय प्रक्रिया उम्र बढ़ने के साथ और कमजोर होती जाती है।

डीएनए की मरम्मत और प्रोटीन का पुनर्चक्रण

कोशिकाओं के बूढ़े होने की प्रक्रिया से जुड़े लगभग सभी शोध में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि उम्र बढ़ने के साथ डीनएए और प्रोटीन की संरचना में कैसे बदलाव आता है। अपने डीएनए को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखना कोशिकाओं के मुख्य काम में से एक है। डीएनए के रखरखाव में आनुवंशिक सामग्री और उससे जुड़े अणुओं को नुकसान से बचाना और उसकी सटीक मरम्मत करना शामिल है। प्रोटीन कोशिकाओं के इशारे पर काम करते हैं। वे रासायनिक अभिक्रिया को अंजाम देते हैं, संरचनात्मक सहायता प्रदान करते हैं, संदेश भेजते और प्राप्त करते हैं तथा ऊर्जा को रोकते एवं खर्च करते हैं। यदि प्रोटीन क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो कोशिका विशेष प्रोटीन से युक्त तंत्र का इस्तेमाल करती है, जो या तो टूटे हुए प्रोटीन को ठीक करने का प्रयास करता है या फिर इसे पुनर्चक्रण के लिए भेजता है।

बाबा बैद्यनाथ और मां पार्वती के मंदिर शिखर में है गठबंधन की अनोखी परंपरा

■ **देवघर (आईएएनएस)।**

झारखंड के देवघर स्थित प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंग कामनालिंग बाबा बैद्यनाथ को मंदिर परिसर में ऐसे तो 22 मंदिर हैं, जहां एक ही परिसर में शिव, शक्ति, विष्णु, ब्रह्मा की भी पूजा होती है। इस परिसर में शिव मंदिर के शिखर से मां पार्वती मंदिर के शिखर तक गठबंधन की एक अनोखी परंपरा है, जो आने वाले हर भक्त करना चाहते हैं। प्राचीनकाल से चले आ रहे इस धार्मिक अनुष्ठान को गठजोड़वा या गठबंधन भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस अनुष्ठान को करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी हो जाती है तथा राजसूय यज्ञ का फल प्राप्त होता है।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर के शिखर से लेकर माता पार्वती मंदिर के शिखर तक ग्रंथिबंधन एक लाल धागे से बांधा जाता है। यह अनुष्ठान किसी अन्य ज्योतिर्लिंग में देखने को नहीं मिलती है। इस गठबंधन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे कोई पुरोहित नहीं करते बल्कि प्राचीनकाल से यह गठबंधन का कार्य मंदिर के ऊपर चढ़कर भंडारी समाज के एक ही परिवार के लोग करते आ रहे हैं। यह गठबंधन लाल रज्जु से निर्मित होता है। इस अनुष्ठान में पति-पत्नी दोनों ही सम्मिलित होते हैं। भंडारी समाज के लोगों का कहना है कि इस गठबंधन को हमारे पूर्वज करते थे और आज हम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि परंपरा निर्वाह करने से अच्छी आमदनी हो जाती है जिससे पूरा परिवार चलता है। उन्होंने बताया कि सावन माह में गठबंधन करने वाले भक्तों की कमी हो जाती है परंतु अन्य दिनों में यह गठबंधन करने के लिए प्रतिदिन 45 से 50 की संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं। गठबंधन करने वाले मोहन राउत कहते हैं कि मंदिर के उपर जाने के लिए एक मोटी जंजीर लगी है जिसके सहारे दोनों मंदिर पर चढ़ा जाता है। वे बताते हैं कि गठबंधन के संकल्प के बाद वे आगे शिव मंदिर के शिखर पर गठबंधन करते हैं। इस दौरान भक्त उस लाल रज्जु को पकड़े रहते हैं इसके बाद भक्त ही इस लाल रज्जु को पार्वती मंदिर तक ले जाते हैं जहां हमलोग उसे लेकर फिर पार्वती के मंदिर के शिखर में बांध देते हैं।

गठबंधन के विषय में मंदिर के मुख्य पुरोहित दुर्लभ मिश्र का कहना है कि यह अनुष्ठान काफी प्राचीन है। उन्होंने बताया कि यहां शिव अकेले नहीं मां पार्वती के साथ हैं। शास्त्रों में भी गठबंधन तथा ध्वज चढ़ाने का उल्लेख मिलता है। इस पुनित कार्य से जहां भक्तों की सारी मनोकामनाओं पूर्ण हो जाती है वहीं इसके करने से लोगों को राजसूय यज्ञ का फल भी प्राप्त होता है। वर्ष भर शिवभक्तों की यहां भारी भीड़ लगी रहती है लेकिन सावन महीने में यह पूरा क्षेत्र केसरिया पहने शिवभक्तों से पट जाता है। भगवान भेलेनाथ के भक्त 105 किलोमीटर दूर बिहार के भागलपुर के सुल्तानगंज में बह रही उत्तर वाहिनी गंगा से जलभर कर पैदल यात्रा करते हुए यहां आते हैं और बाबा का जलाभिषेक करते हैं।

फिल्म 'प्रेम की शादी' में काम करेंगे सलमान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान, निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म प्रेम की शादी में काम करते नजर आ सकते हैं। सलमान खान ने सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पाया में काम किया है। चर्चा है कि सलमान खान एक बार फिर से सूरज बड़जात्या की फिल्म में काम करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अगस्त महीने में सलमान, सूरज बड़जात्या की फिल्म 'प्रेम की शादी' की शूटिंग शुरू करेंगे। बताया जा रहा है कि सलमान खान को इस फिल्म का कॉन्सेप्ट वर्ष 2020 में सुनाया गया था, जो उन्हें बहुत पसंद आया था। 'प्रेम की शादी' की कहानी नए जमाने के न्यूक्लियर फैमिली के इर्द-गिर्द घूमती है। यदि सबकुछ सही रहा तो 'प्रेम की शादी' अगले साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी।

शिल्पा ने याद किया वो खास पल जब गीता कपूर को बांधी थी राखी

मुंबई (आईएएनएस)। डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' के 'त्योहारों का त्योहार' स्पेशल एपिसोड में एक अन्य रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 10' के जज शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और बादशाह शामिल होंगे। एपिसोड के दौरान, शिल्पा शेट्टी को उन पलों को याद करते हुए देखा जाएगा, जिसमें गीता कपूर ने राखी बांधी थी। इस एपिसोड में कंटेस्टेंट समर्पण लामा और उनकी कोरियोग्राफर भावना खंडूजा ने परफॉर्म किया। यह जोड़ी 'कैसे हुआ' ट्रैक पर 'रक्षा बंधन' के सार को दर्शाते हुए, भाई और बहन के बीच के बंधन को खूबसूरती से चित्रित करते हुए दिखाई देगी। अपने परफॉर्मेंस से बेहद प्रभावित होकर, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और गीता कपूर शो 'सुपर डांसर' में अपनी दोस्ती के बारे में बात करेंगी जो बहन के रिश्ते में बदल गई। शिल्पा शेट्टी ने साझा किया। समर्पण, आपने रक्षा बंधन के त्योहार से जुड़ी भावनाओं को शानदार तरीके से चित्रित किया और भावना, आपकी कोरियोग्राफी वास्तव में प्रभावशाली थी। यह सिर्फ एक डांस नहीं है, यह जीवन का सार है, एक भावना जिसे केवल 2 या 3 मिनट में व्यक्त करना चुनौतीपूर्ण है। लेकिन आपने इसे खूबसूरती से किया, हमारे भीतर उस भावना को जगाया। शाबाश, समर्पण एक बहन के लिए हमेशा भाई को राखी बांधना जरूरी नहीं है, यहां तक कि एक भाई भी एक बहन को राखी बांध सकता हैं, और आपने इसे बहुत अच्छे से चित्रित किया है। उन्होंने आगे कहा, मेरा कोई भाई नहीं है, गीता और मैं हमेशा एक-दूसरे के लिए खड़े रहे हैं। गीता ने 'सुपर डांसर' पर मुझे राखी बांधी और यह सबसे खूबसूरत यादों में से एक है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरे लिए इस त्योहार का महत्व बहुत बढ़ गया है।

सत्यजीत रे की 'खगम' पर आधारित अंग्रेजी ग्राफिक उपन्यास प्रकाशित

कोलकाता (भाषा)। महान फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे की 'डरावनी' लघु कहानी 'खगम' अब नौजवान पाठकों को आकर्षित करने के लिए अंग्रेजी भाषा में ग्राफिक उपन्यास के रूप में प्रकाशित की गई है। 'खगम' एक अहंकारी व्यक्ति के धीरे-धीरे सांप में तब्दील होने की डरावनी कहानी बयां करती है। शामिक चटर्जी ने रे की किसी लघु कहानी पर आधारित अंग्रेजी भाषा का पहला ग्राफिक उपन्यास प्रकाशित किया है, जिसमें कॉमिक्स किताबों की तरह ग्राफिक चित्रों के जरिए कहानी बयां की गई है। अपनी फिल्मों के जरिए भारत को विश्व के मानचित्र पर लाने वाले रे बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार-डिजाइनर और लेखक भी थे। उनकी किताबें अपने जमाने में सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तकों में शुमार थीं।

'ओह माय गॉड 2' का वीडियो रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'ओह माय गॉड 2' का पहला वीडियो रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म 'ओह माय गॉड' के सीक्वल 'ओह माय गॉड 2' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय के साथ पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम भी मुख्य किरदार में हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 , का पहला

वीडियो रिलीज हो गया है। वीडियो में अक्षय कुमार माथे पर भस्म, गले में रुद्राक्ष माला पहने भोले बाबा के लुक में नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर ओह माय गॉड 2 का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार भीड़ में चलते नजर आ रहे हैं और लोग हर-हर महादेव के जयकारे लगा रहे हैं। वीडियो में अक्षय कुमार सिर पर जटाएं, माथे पर भस्म, गले पर नील और रुद्राक्ष माला पहने बाबा भोलेनाथ की तरह तैयार हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, झओह माय गॉड 2 टीजर 11 जुलाई को। झओह माय गॉड 2 सिनेमाघरों में 11 अगस्त।

ट्रायल पीरियड का गाना 'धप्पा' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख की आने वाली फिल्म ट्रायल पीरियड का पहला गाना धप्पा रिलीज हो गया है। अलेया सेन द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म ट्रायल पीरियड में जेनेलिया देशमुख, मानव, शक्ति कपूर, शीबा चड्डा, गजराज राव और जिदान ब्रेज जैसे कलाकार हैं। ट्रायल पीरियड का पहला गाना धप्पा रिलीज हो गया है। 'धप्पा' गाना को मागो और मयंक ने कंपोज किया है, जिसके बोल सिद्धांत मागो ने तैयार किए हैं। गाने को सलोनी अग्रवाल, याशिका सिक्का, और मयंक मेहरा ने अपनी आवाज दी है।

यह महज शिक्षा के बारे में था काजोल

मुंबई (भाषा)। बगैर शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं द्वारा आज शासन किए जाने संबंधी अपने बयान से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ने के बाद अभिनेत्री काजोल ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि वह महज शिक्षा के महत्व को बता रही थीं। अभिनेत्री ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा कि उनका इरादा अपने विचारों से किसी नेता का अपमान करना नहीं था। काजोल ने शनिवार शाम किए ट्वीट में कहा, मैं महज शिक्षा और इसके महत्व के बारे में बोल रही थी। मेरा इरादा किसी राजनीतिक नेता का अपमान करना नहीं था, हमारे पास कुछ महान नेता हैं जो देश को सही राह पर ले जा रहे हैं। हाल में, एक ऑनलाइन मीडिया पोर्टल को दिए साक्षात्कार में अभिनेत्री से पूछा गया था कि क्या यह दुखद नहीं है कि देश में इतनी प्रगति होने के बावजूद अब भी कुछ ऐसे विचार हैं जो महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। काजोल ने अपनी आगामी सीरीज 'द ट्रायल : प्यार, कानून, धोखा के प्रचार के दौरान 'द क्विंट' को दिए साक्षात्कार में कहा था, भारत जैसे देश में बदलाव की रफ्तार धीमी है। यह बहुत, बहुत धीमी है क्योंकि हम अपनी परंपराओं और विचार प्रक्रियाओं से बंधे हुए हैं और बेशक इसका संबंध शिक्षा से है। आपके पास ऐसे नेता हैं जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि नहीं है। उन्होंने कहा था, मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन यह सच्चाई है कि हम पर ऐसे नेता शासन कर रहे हैं जिनमें से कई के पास कोई दृष्टि नहीं है, जो मुझे लगता है कि आपको शिक्षा से मिलती है, कम से कम एक अलग दृष्टिकोण मिलता है। इस साक्षात्कार की वीडियो क्लिप शनिवार को वायरल होने पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने इन टिप्पणियों को लेकर काजोल की आलोचना की। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने फिल्मों में करियर बनाने के लिए अभिनेत्री के स्कूल की पढ़ाई बीच में छोड़ने का जिक्र करते हुए कहा, स्कूल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली अभिनेत्री शिक्षा और अशिक्षित नेताओं पर उपदेश दे रही है। पहले अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करो, फिर कुछ बोलो।

■ 'अशिक्षित नेताओं' वाले बयान पर विवाद के बाद बोलीं काजोल

खबर संक्षेप

एनएसडीएल का आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा

नई दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड ने आईपीओ की मंजूरी के लिए सेबी) के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए हैं। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ के तहत मौजूदा शेयरधारकों की तरफ से 5.72 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी।

ओडीओपी का ग्रोयो से मंच के लिए करार

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग ने 'एक जिला, एक उत्पाद' कार्यक्रम के तहत उत्पाद बेचने वालों को ई-कॉमर्स मंच उपलब्ध कराने के लिए ग्रोयो से समझौता किया है। ओडीओपी कार्यक्रम विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डीपीआईआईटी की ओर से शुरू किया गया है।

खाद्य तेल-तिलहन की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम घटने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग अधिकांश खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। जबकि निर्यात मांग से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत रहे। देशी तेल-तिलहन अपनी अधिक लागत के कारण पहले से ही नहीं खप रहे हैं । और अब तो सस्ते आयातित सूरजमुखी के आगे तो आयातित सस्ता सोयाबीन भी नहीं खप रहा है क्योंकि सूरजमुखी तेल कीमत के मुकाबले सोयाबीन का दाम घटने के बावजूद फिलहाल अधिक है।

बिजनेस साइट

ओम ऑटो व्हील्स को मिला सर्वश्रेष्ठ डेब्यूटेंट डीलर का पुरस्कार

रायपुर। ओम ऑटो व्हील्स ने अपने अभूतपूर्व प्रदर्शन से समय समय पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं, इसी कड़ी में वार्षिक डीलर मीट, लिस्बन पुर्तगाल में आयोजित कार्यक्रम में ओम ऑटो व्हील्स को सर्वश्रेष्ठ डेब्यूटेंट डीलर का पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार गिरीश वाघ कार्यकारी निदेशक टाटा मोटर्स और राजेश कौल बिजनेस हेड ट्रक टाटा मोटर्स द्वारा प्राप्त हुआ। इस समारोह में आर रामकृष्णन, बिजनेस हेड स्पेयर्स एंड नॉन व्हीकल बिजनेस और विनय पाठक, बिजनेस हेड लघु वाणिज्यिक वाहन व्यवसाय और पिकअप टाटा मोटर्स भी शामिल थे। इस पुरस्कार को प्राप्त करने के बाद ओम ऑटो व्हील्स के संस्थापक पुनीत परवानी ने छत्तीसगढ़ की जनता को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा- छत्तीसगढ़ के हमारे ग्राहकों, हमारे वित्त भागीदारों, टाटा मोटर्स टीम और ओएम ऑटोव्हील्स प्राइवेट लिमिटेड की पूरी टीम को धन्यवाद।

मारुति को बिक्री में वृद्धि की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को घरेलू यात्री वाहन उद्योग की तुलना में अपनी बिक्री की रफ्तार अधिक रहने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मारुति के मॉडल विशेष रूप से एसयूवी श्रृंखला की मजबूत मांग से बिक्री की रफ्तार कायम रहेगी। कंपनी का अनुमान है कि कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहन बाजार की वृद्धि पांच से सात प्रतिशत रहेगी। मारुति के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने बातचीत में कहा कि चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहन उद्योग की बिक्री 40.5-41.3 लाख इकाई रहेगी।

त्योहारी सीजन पर टिकी उद्योग की नजर

उद्योग की वृद्धि 5 से 7 फीसदी के दायरे में होती

श्रीवास्तव ने कहा, 'हमने अपने उस अनुमान में संशोधन नहीं किया है जो हमने साल की शुरुआत में लगाया था। हमने कहा था कि उद्योग की वृद्धि 5-7 प्रतिशत के दायरे में होगी और हमारी वृद्धि उद्योग से अधिक होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में कंपनी की वृद्धि 12.2 प्रतिशत रही है, जबकि उद्योग करीब 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

10 लाख से अधिक वाहन बिके

श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले साल दूसरी तिमाही में बिक्री 10.2 लाख इकाई रही थी जो यात्री वाहन के इतिहास में सबसे अच्छी तिमाही थी। श्रीवास्तव ने कहा, 'ऐसे में बहुत ऊंची वृद्धि की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

अब तक मांग काफी मजबूत

श्रीवास्तव ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अबतक मांग काफी मजबूत बनी हुई है और अप्रैल-जून की अवधि उद्योग के लिए सबसे अच्छी तिमाही रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि आगे चलकर पर मात्रा के हिसाब से वृद्धि कायम रहेगी, क्योंकि बुकिंग मजबूत बनी हुई है, लेकिन वृद्धि धीमी हो सकती है और ऐसा आधार प्रभाव की वजह से होगा।'

सेमीकंडक्टर का संकट कम हुआ

आगामी त्योहारी सीजन के लिए कंपनी की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर का संकट कम होने के साथ कंपनी का लक्ष्य उत्पादन बढ़ाना और अर्टिगा, बेजा और एक्सएल-6 जैसे मॉडल पर इंतजार की अवधि को कम करना है। अभी मारुति को लगभग 3.62 लाख वाहनों की आपूर्ति करनी है।

आईटीसी का किया दावा तो सही जानकारी देनी होगी

नए जीएसटी नियम की तैयारी, ज्यादा आईटीसी लेने पर बतानी होगी वजह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद एक नया कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस नए कानून के तहत यदि किसी कंपनी या कारोबारी ने अधिक इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) का दावा किया है, तो उसे इसकी वजह बतानी होगी या अतिरिक्त राशि सरकारी खजाने में जमा करानी होगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि केंद्र और राज्यों के कर अधिकारियों वाली विधि समिति का विचार है कि जहां जीएसटीआर-3बी रिटर्न में लिया गया आईटीसी स्वतः सृजित वाले जीएसटीआर-बी में दर्ज राशि से एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो पंजीकृत व्यक्ति को पोर्टल के जरिये इसकी जानकारी दी जानी चाहिए।

खास बातें

- अतिरिक्त राशि सरकारी खजाने में करनी होगी जमा
- केंद्र व राज्यों के कर अधिकारियों वाली विधि समिति का विचार
- नए नियम लाने का उद्देश्य फर्जी चालान के मामलों पर अंकुश लगाना

11 जुलाई से परिषद की 50वीं बैठक

जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को होने वाली 50वीं बैठक में समिति की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। अभी कारोबारी अपने आपूर्तिकर्ताओं द्वारा किए गए कर के भुगतान का इस्तेमाल जीएसटीआर-3बी में अपनी जीएसटी देनदारी निपटाने के लिए करते हैं।

राशि लौटाने का निर्देश

इसके साथ ही उसे इस अंतर की वजह बताने या अतिरिक्त आईटीसी को ब्याज के साथ लौटाने का निर्देश दिया जाना चाहिए। समिति ने सुझाव दिया है कि यदि अंतर 20 प्रतिशत से अधिक और राशि 25 लाख रुपये से अधिक है, तो यह प्रावधान लागू होना चाहिए।

किया जा रहा फार्म जीएसटीआर- 2 बी तैयार

ऐसे मामलों में जहां जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी में घोषित कर देनदारी में अंतर 25 लाख रुपये और 20 प्रतिशत की निर्दिष्ट सीमा से अधिक है, कारोबारियों को इसकी वजह बताने या शेष कर को जमा कराने के लिए कहा जाएगा। जीएसटी नेटवर्क जीएसटीआर-2बी फॉर्म तैयार करता है, जो एक स्वतः सृजित होने वाला दस्तावेज है।

अधिकारी को विसंगति की देनी होगी जानकारी

इससे आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जमा कराए गए प्रत्येक दस्तावेज में आईटीसी की उपलब्धता या अनुपलब्धता का पता चलता है। सूत्रों ने कहा कि विधि समिति का विचार है कि पंजीकृत व्यक्ति को बाहरी आपूर्ति या जीएसटीआर -1 का मासिक विवरण दाखिल करने की अनुमति उस समय तक नहीं दी जानी चाहिए, जब तक कि उसने कर अधिकारी को विसंगति के बारे में संतुष्ट न कर दिया हो या अतिरिक्त आईटीसी दावे को लौटा नहीं दिया हो।

एयरटेल पेमेंट बैंक की बैंकिंग केंद्र, सेवाओं का दायरा बढ़ाने की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयरटेल पेमेंट बैंक भारी मांग को देखते हुए इस साल अपने बैंकिंग केंद्रों के विस्तार के साथ-साथ सेवाओं का दायरा भी बढ़ाएगा। एयरटेल पेमेंट बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुब्रत विश्वास ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों की संख्या और प्रति ग्राहक औसत प्राप्ति को बढ़ाना है। विश्वास ने कहा कि एयरटेल पेमेंट बैंक चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर, 2023) में ग्रामीण ग्राहकों के लिए भौतिक डेबिट कार्ड भी लाएगा। इसे शहरी बाजार में पहले ही पेश किया जा चुका है। विश्वास ने बताया, 'इस समय काफी अच्छी मांग आ रही है तो हमारा मुख्य ध्यान उपभोक्ताओं की पसंद, स्थायी मॉडल और लागत पर है। हम अपने ग्राहकों की जरूरतों और समस्याओं का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित रखेंगे तो तब तक असीमित अवसर हैं।'

- भारी मांग को देखते हुए लिया गया निर्णय

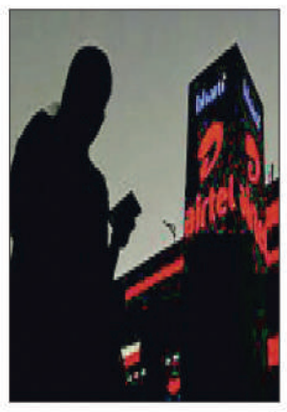

सालाना आधार पर 40 फीसदी वृद्धि दर्ज

एयरटेल के भुगतान बैंक ने 2018 के मध्य से 2023 के मध्य तक सालाना आधार पर 35-40 की वृद्धि दर्ज प्रतिशत की है। उन्होंने कहा कि अभी हमारी प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) काफी कम है। हमारे उत्पादों की पहुंच बढ़ने से हमारा एआरपीयू भी बढ़ेगा।

एसयूवी खंड में उतरने की तैयारी कर रही है रेनो इंडिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस की वाहन कंपनी रेनो इंडिया एक बार फिर मध्यम आकार के स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी का 2025 तक देश में तीन नए मॉडल लाने का इरादा है। रेनो इंडिया के भारतीय परिचालन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक वेंकटराम मामिलापल्ले ने यह जानकारी दी। मामिलापल्ले ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी इस खंड में कई नवोन्मेषण के साथ उतरने की तैयारी कर रही है। रेनो अभी भारतीय बाजार में तीन मॉडल - क्विड, ट्राइबर और काइगर - बेचती है। उन्होंने कहा, 'तीनों मौजूदा मॉडल कायम रहेंगे। हम नए उत्पाद लेकर आएंगे...हम संभवतः चार मीटर से अधिक के खंड यानी 4.3 मीटर में भी उतरेंगे।'

डस्टर मॉडल की बिक्री बंद की

कंपनी ऐसे खंड में उतरने की तैयारी कर रही है जहां उसे क्रेटा, सेल्टोस और वैंड विटारा जैसे कई स्थापित मॉडल से चुनौती मिलेगी। मामिलापल्ले ने कहा, 'उम्मीद है कि हम उसी तरीके से उतरेंगे, जैसे डस्टर के साथ आए थे। हम इस खंड में कई नवोन्मेषण के साथ आएंगे।' कंपनी ने अब डस्टर मॉडल की बिक्री बंद कर दी है।

स्टार्टअप कंपनियों की पहली छमाही में निवेश चार साल में सबसे कम

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में निवेश 2023 की पहली छमाही में 36 प्रतिशत गिरकर 3.8 अरब डॉलर रह गया है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, निवेशक व्यवसाय के हर पहलू की उचित जांच में अधिक समय ले रहे हैं। रिपोर्ट 'स्टार्टअप परिप्रेक्ष्य - पहली छमाही 2023' में कहा गया है कि मात्रा के हिसाब से कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही में कुल निवेश का 57 प्रतिशत शुरुआती स्तर के सौदों के रूप में मिला। मूल्य के हिसाब से शुरुआती स्तर के सौदों का 2023 की पहली छमाही के कुल निवेश का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा रहा लेकिन पिछले साल से तुलना करने पर यह सबसे निचला स्तर बैठता है। इसमें कहा गया, "भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले चार साल में सबसे कम निवेश कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही में रहा। इस दौरान निवेश का आंकड़ा 298 सौदों के लिए 3.8 अरब डॉलर रहा, जो 2022 की पहली छमाही में आए 5.9 अरब डॉलर से लगभग 36 प्रतिशत कम है। जनवरी-जून, 2023 में सबसे ज्यादा निवेश पाने वाले क्षेत्र वित्तीय प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर सेवा (एसएएएस), डी2सी रहे।

30 देशों के विभिन्न कंपनियों की पहचान

निवेश लक्ष्य हासिल करने 106 कंपनियों की पहचान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अपनी रणनीतिक निवेश लक्ष्य पहल के तहत 30 देशों की विभिन्न क्षेत्रों की 106 कंपनियों की पहचान की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य देश में निवेश को बढ़ावा देना है। इस पहल पर हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और निर्यातकों के साथ बुलाई गई बैठक के दौरान चर्चा की गई थी। अधिकारी ने कहा, 'मंत्रालय के माध्यम से एक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया था और इन कंपनियों के नेतृत्व के साथ बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही हैं।' अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) के साथ जुड़ने की भी योजना है। सरकार देश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुपालन बोझ को कम करने, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों को सरल बनाने, लॉजिस्टिक्स नीति को लागू करने, 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की घोषणा और देश में राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से प्रक्रियाओं को सुगम बनाने जैसे कई कदम उठा रही है। हालांकि, अधिकारी ने कंपनियों और क्षेत्रों के नाम का खुलासा नहीं किया।अधिकारी ने कहा, 'वाणिज्य विभाग और डीपीआईआईटी दोनों मिलकर व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।' अमेरिका, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, जापान, ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में रोड शो आयोजित करने की भी योजना है। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2022-23 में भारत में एफडीआई 22 प्रतिशत घटकर 46 अरब डॉलर रह गया है। बीते वित्त वर्ष में कुल एफडीआई प्रवाह (इक्विटी प्रवाह, पुनः निवेश की गई आय और अन्य पूंजी) 16 प्रतिशत घटकर 70.97 अरब डॉलर पर आ गया, जो 2021-22 में 84.83 अरब डॉलर था। अप्रैल-मार्च 2022-23 के दौरान, सिंगापुर 17.2 अरब डॉलर के एफडीआई के साथ भारत के लिए सबसे बड़ा निवेशक रहा।

- पहल का उद्देश्य देश में निवेश बढ़ाना

जर्मनी से 54.7 करोड़ डॉलर का एफडीआई मिला

इसके बाद मॉरीशस (6.13 अरब डॉलर), अमेरिका (छह अरब डॉलर), यूएई (3.35 अरब डॉलर), नीदरलैंड (2.5 अरब डॉलर), जापान (1.8 अरब डॉलर), ब्रिटेन (1.73 अरब डॉलर) का स्थान रहा। डीपीआईआईटी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान साइप्रस से 1.27 अरब डॉलर, केमैन द्वीप से 77.2 करोड़ डॉलर और जर्मनी से 54.7 करोड़ डॉलर का एफडीआई मिला।

अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 66.1 हो गया

सकारात्मक संकेतकों से कारोबारी भरोसा बढ़ा : सीआईआई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीआईआई का कारोबारी विश्वास सूचकांक अप्रैल-जून तिमाही में इससे पिछली तिमाही की तुलना में बढ़कर 66.1 हो गया है। जनवरी-मार्च की तिमाही में यह 64 पर था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह, हवाई और रेल यात्रियों की संख्या जैसे आंकड़ों में बढ़ोतरी से सकारात्मक रुझान का पता चलता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कारोबारी परिदृश्य सर्वे में शामिल 180 कंपनियों में से 63 प्रतिशत का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) वृद्धि दर छह से सात प्रतिशत रहेगी। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 7.2 प्रतिशत के आंकड़े से कम है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं का असर भारत की वृद्धि दर पर भी पड़ेगा। सर्वे में कहा गया है, 'वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने के लिए जरूरी है कि केंद्रीय बैंक प्रमुख नीतिगत दरों में बदलाव नहीं करे। सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत कंपनियों को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में रिजर्व बैंक प्रमुख ब्याज दर के मोर्चे पर यथास्थिति बनाए रखेगा।'

- जीएसटी संग्रह व रेल व हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी

क्षमता इस्तेमाल 75 से 100 फीसदी के बीच होगा

सर्वेक्षण के अनुसार, रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दर में बढ़ोतरी को रोकने से भारतीय उद्योग जगत के लिए पूंजी की लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिससे नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा और निजी पूंजीगत व्यय बढ़ेगा। सर्वे में शामिल आधी से ज्यादा यानी 52 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि अप्रैल-जून में क्षमता इस्तेमाल 75 से 100 प्रतिशत के बीच रहेगा।

वैश्विक वृद्धि सुस्त रहेगी

सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत कंपनियों का कहना था कि चालू वित्त वर्ष में निजी निवेश की रफ्तार कायम रहेगी। सर्वे के नतीजों से यह भी पता चलता है कि 62 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि वैश्विक वृद्धि सुस्त रहेगी। भू-राजनीतिक संकट चालू वित्त वर्ष में प्रमुख कारोबारी चिंता रहेगा।

निजी निवेश को रफ्तार मिलेगी

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सीआईआई के कारोबारी विश्वास सूचकांक में जो सकारात्मक रुख दिखाई दिया है, वह उत्साहजनक है। मांग में सुधार से कई क्षेत्रों में क्षमता इस्तेमाल बढ़ा है जिससे इस साल निजी निवेश को और रफ्तार मिलेगी।'

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख वित्त आयोग में शामिल करने का मांग दोहराई

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश को 16वें वित्त आयोग के नियम एवं शर्तों (टीओआर) में शामिल करने का आग्रह किया है। वित्त आयोग का गठन इस साल होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में रंगासामी ने पुडुचेरी को पूंजी निवेश के लिये राज्यों को वित्तीय सहायता योजना या पूंजीगत बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए विशेष अनुदान पैकेज में शामिल करने की बात कही है। इसके लिए केंद्र से 2,328 करोड़ रुपये की धनराशि मांगी गई है। पत्र की प्रति शुक्रवार को सार्वजनिक की गई। विशेष पैकेज हवाई अड्डे के विस्तार (425 करोड़ रुपये), एकीकृत विधानसभा परिसर के निर्माण (420 करोड़ रुपये), स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार (500 करोड़ रुपये), राज्य चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना (500 करोड़ रुपये) और एक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (483 करोड़ रुपये) स्थापित करने से संबंधित है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुडुचेरी को वित्त आयोग में नियम एवं शर्तों में जगह नहीं मिली है और इसलिए पूर्व में वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर केंद्रीय करों में हिस्सेदारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, पुडुचेरी प्रशासन हमेशा से भारत सरकार से अनुरोध करता रहा है कि राज्य शब्द के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 280(3) में उपयुक्त संशोधन करके पुडुचेरी को केंद्रीय वित्त आयोग के टीओआर में शामिल किया जाए या इसका विशेष संदर्भ दिया जाए...। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने जल्द ही 16वें वित्त आयोग का गठन करने का प्रस्ताव दिया है। ऐसे में प्रस्तावित वित्त आयोग में पुडुचेरी को शामिल करने के लिए नए सिरे से अनुरोध करने का यह सही समय है।

खबर संक्षेप

भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी हंपी

नई दिल्ली। दो बार की स्वर्ण पदक विजेता कोनेरू हम्पी और कांस्य पदक विजेता द्रोणावल्ली हरिका 23 सितंबर को हांगझोउ में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में 10 सदस्यीय भारतीय शतरंज टीम की अगुवाई करेंगी। पुरुष वर्ग में विदित गुजराती और युवा अर्जुन एरिगैसी और महिला वर्ग में हम्पी और हरिका व्यक्तिगत श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। पुरुष टीम में ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, गुजराती, एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और आर प्रगानानंद शामिल हैं जबकि महिला टीम में हंपी, हरिका, आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी।

पैरा विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में रक्षिता

पेरिस। कर्नाटक की दृष्टिबाधित धाविका रक्षिता राजू ने रविवार को यहां पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कोच राहुल बालाकृष्णा के मार्गदर्शन में 2018 पैरा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता रक्षिता ने टी11 वर्ग में दूसरी रेस (हीट) में 5:26.47 सेकेंड का समय निकाला जिससे वह सोमवार को होने वाले फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। रक्षिता सात एथलीट के फाइनल में पांचवें स्थान से शुरुआत करेंगी। रक्षिता ने ग्वांग्झोउ एशियाई खेलों में 1500 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय खिलाड़ी अली मोहन बागान से जुड़े

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग की टीम मोहन बागान सुपर जायंट्स ने आगामी सत्र के लिए अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करने के लिए युवा खिलाड़ी अनवर अली से करार किया है। अनवर हाल ही में सैफ चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम की रक्षापंक्ति के अहम सदस्य थे। आईएसएल की मौजूदा चैंपियन ने करार की शर्तों और समय की जानकारी दिए बिना ट्विटर पर लिखा, 'वॉरियर आ गया है। अनवर अली अब हमारी टीम का हिस्सा है।' इस ट्वीट में पंजाब के 22 साल के खिलाड़ी की अब तक की यात्रा को वीडियो के जरिए दर्शाया गया है।

शतरंज लीग का होगा आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर फ्रेंचाइजी आधारित शतरंज टूर्नामेंट शुरू करेगा जिसकी निविदा प्रक्रिया अगले एक पखवाड़े में शुरू हो जायेगी। इस फ्रेंचाइजी आधारित लीग में छह से आठ टीमें होंगी। इसके शुरूआती सत्र का आयोजन इस साल दिसंबर में होगा। एआईसीएफ आम सभा की रविवार को कानपुर में बैठक हुई थी। जिसमें इस बारे में चर्चा की गई थी।

बीसीसीआई के राजस्व पर आज लगेगी मुहर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की सोमवार से होने वाली सालाना बोर्ड बैठक के दौरान इस खेल निकाय के वार्षिक राजस्व में से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को लगभग 19 अरब रुपए के हिस्से को मंजूरी मिलना लगभग तय है। डरबन में इस चार दिवसीय बैठक के दौरान वनडे के भविष्य और किसी खिलाड़ी के द्वारा टी20 लीग में भागीदारी की सीमा पर भी चर्चा होगी। इस दौरान सदस्यों को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप की तैयारियों के बारे में अपडेट मिलने की भी उम्मीद है। इस बैठक का सबसे बड़ा मुद्दा राजस्व कर वितरण है।

महिला टी20 : भारत ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया, हरमनप्रीत का अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| मीरपुर

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नए अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत अर्धशतक (नाबाद 54 रन) जड़कर की। इससे भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश पर सात विकेट की आसान जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

भारतीय स्पिनर्स ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने दिए। इसके बाद हरमनप्रीत (35 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और उप कप्तान स्मृति मंधाना (34 गेंद में 38 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर लक्ष्य 16.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। मंधाना ने भी अपनी पारी के दौरान पांच चौके लगाए।

टीम इंडिया की आसान जीत

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद उसके गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बल्लेबाजों को यह आसान लक्ष्य हासिल करने में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा हालांकि अपने खराब फुटवर्क के कारण पगबाधा आउट हुईं। जेमिमा रोड्रिग्स (11 रन) सुल्ताना खातून की ऑफ ब्रेक गेंद पर बोल्ड हुईं। जिसके बाद हरमनप्रीत और मंधाना ने टीम को आसान जीत की ओर अग्रसर किया। मंधाना के आउट होने के बाद यास्तिका भाटिया क्रीज पर उतरीं जिन्होंने नाबाद 09 रन बनाए।

बांग्लादेश ने खेली 62 डॉट गेंदें

बांग्लादेश ने 62 डॉट गेंद खेली जो उनकी आधी पारी से भी अधिक हैं। उनकी पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगे। इसमें से दो सोर्ना ने लगाये जिससे टीम 100 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही।

स्पिनरों ने बरपाया कहर

अनुभवी दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 14 रन) की अगुआई वाले स्पिन आक्रमण ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की योजना को बहुत अच्छी तरह मैदान पर उतारा। स्पिन विभाग में अनुषा बारेड्डी (चार ओवर में 24 रन) और मीनू मणी (तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) ने उनका बखूबी साथ निभाया। बांग्लादेश की शीर्ष स्कोरर सोर्ना अख्तर (28 गेंद में 28 रन) द्वारा लगाया गया एक छक्का छोड़ दें तो लेग स्पिनर शेफाली वर्मा (तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट) ने भी अच्छी गेंदबाजी की।

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश	रन	गेंद	4	6
शाथी रानी बो वस्त्राकर	22	26	4	0
शमीमा का रोड्रिग्स बो मणी	17	13	2	1
शोभना स्ट. भाटिया बो शेफाली	23	33	2	0
निगार सुल्ताना रन आउट	02	07	0	0
शोर्ना अख्तर नाबाद	28	28	0	2
रितु मोनी रन आउट	11	13	0	0
नाहिदा अख्तर नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 11, कुल : 20 ओवर में 114/5
गेंदबाजी : वस्त्राकर 4-1-16-1, कौर 2-0-19-0, दीप्ति 4-0-14-0, मीनू मणी 3-0-21-1, अनुषा 4-0-24-0, शेफाली 3-0-18-1.

भारत	रन	गेंद	4	6
शेफाली स्ट. बो मारूफा	00	03	0	0
मंधाना स्ट. निगार बो सुल्तान	38	34	5	0
जेमिमा रोड्रिग्स बो सुल्ताना	11	14	2	0
हरमनप्रीत कौर नाबाद	54	35	6	2
यास्तिका भाटिया नाबाद	09	12	1	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 16.2 ओवर में 118/3
गेंदबाजी : मारूफा 3-1-18-1, सलमा 3.2-0-32-0, सुल्ताना 4-0-25-2, राबिया 3-0-22-0, नाहिदा अख्तर 3-0-18-0.

विंबलडन : मीरा चौथे दौर में पहुंचने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी

एंड्रीवा का रिकॉर्ड, तीसरे दौर में पोटापोवा को मिली शिकस्त

एजेंसी ▶▶| विंबलडन

पहली बार विंबलडन में खेल रही रूस की सोलह वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने रविवार को इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की की। एंड्रीवा 2019 में कोको गॉफ के बाद विंबलडन में महिलाओं के चौथे दौर में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। वह इस साल के अपने पहले बड़े टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन में तीसरे दौर में पहुंचीं थी। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 4-1 से पिछड़ने के बावजूद 22वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा को 6-2, 7-5 से हराया। उन्होंने इस जीत के बाद कहा, 'मैं 1-4 से पिछड़ रही थी, ऐसे में यह जीत शानदार है।'

एंड्रीवा के सामने अब 25वीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की खिलाड़ी मेडिसन कीज की चुनौती होगी। एंड्रीवा की जीत से पहले चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोसोवा विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनी। वोंड्रोसोवा ने 32वीं वरीयता प्राप्त मैरी बौजकोवा को 2-6, 6-4, 6-3 से हराया। क्वार्टर फाइनल में वोंड्रोसोवा को जेसिका पेगुला से भिड़ना होगा। चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की पेगुला ने लेस्या त्सुरेंको 6-1, 6-3 से मात दी।

दो दिन में जीते दिमित्रोव

पुरुषों में 21वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव भी चौथे दौर में पहुंचने में सफल रहे। फ्रांसिस टियाफो के खिलाफ शनिवार को शुरू हुआ उनका मुकाबला रविवार को खत्म हुआ। दिमित्रोव ने इस मैच को 6-2, 6-3, 6-2 से जीता। वह अगले दौर में छठी वरीयता प्राप्त होल्गर रूने का सामना करेंगे।

युकी, बोपन्ना की जोड़ियां बाहर, धामने जीते

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी रविवार को यहां पहले दौर में स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना और फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो से तीन सेट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गई। भांबरी और माइनेनी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में अच्छी वापसी की लेकिन आखिर में उन्हें दो घंटे तक चले मुकाबले में 4-6, 6-4, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन बोपन्ना और कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी के 2019 विंबलडन चैंपियन इवान डोडिग और लतीशा चान से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से हारने के साथ ही भारत की मिश्रित युगल में चुनौती भी समाप्त हो गई। इससे पहले भारत के युवा टेनिस खिलाड़ी मानस धामने ने रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के 47वीं रैंकिंग के 16 वर्षीय हेडन जोन्स पर सीधे सेटों में आसान जीत के साथ लड़कों के एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। पंद्रह वर्षीय धामने ने अपने प्रतिद्वंद्वी को एक घंटे, 13 मिनट में 6-2, 6-4 से हराया।

कनाडा ओपन : सेन फाइनल में, सिंधू सेमीफाइनल में हारीं

एजेंसी ▶▶| कालगैरी

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने यहां जापान के केंटा निशिमोटो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेन ने जापान के 11वीं रैंकिंग के खिलाड़ी को 21-17, 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई।

यह एक साल में उनका पहला बीडब्लूएफ फाइनल भी होगा। अब फाइनल में उनका सामना चीन के लि शि फेंग से होगा जिनके खिलाफ उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है। सेन ने कहा, 'काफी खराब शुरुआत हुई, मैं शटल पर अच्छी तरह नियंत्रण नहीं बना पाया। जैसे ही मैं लय में आय तो बेहतर होता गया। 'परफेक्ट नेटप्ले' अहम रहा और हम दोनों ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे थे। आखिर में मैंने नेट पर नियंत्रण बना लिया और स्मैश भी अच्छे रहे। तकनीकी रूप से काफी अच्छा मैच खेला। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।' वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला एकल के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21, 15-21 से हार गईं।

मैथ्यूज की हैट्रिक से जीता वेस्टइंडीज

ग्रॉस आइलेट। आयरलैंड टीम को वनडे सीरीज के बाद टी-20 सीरीज में भी शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। बता दें कि वेस्टइंडीज टीम ने आयरिश टीम का सपूड़ा साफ कर दिया है। टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में कप्तान हेली मैथ्यूज ने शानदार प्रदर्शन का नजारा पेश किया। हीली ने मैच में हैट्रिक लेकर एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। तीन मैचों की टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में आयरलैंड के खिलाफ हीली मैथ्यूज हैट्रिक लेने वाली वेस्टइंडीज की तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई है। दरअसल, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच खेले गए तीन मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मैच ग्रॉस आइलेट में 8 जुलाई को खेला गया। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड महिला टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 116 रन बनाए।

एशेज : इंग्लैंड ने की वापसी, ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट में तीन विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| हेडिंग्ले

इंग्लैंड ने एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट को सात विकेट से अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही उसने एशेज सीरीज में वापसी कर ली है। उसे शुरुआती दो टेस्ट मैचों में हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया की नजर हेडिंग्ले में टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज को 3-0 से जीतने पर थी, लेकिन इंग्लैंड ने ऐसा नहीं होने दिया। दोनों टीमों के बीच अब चौथा टेस्ट 19 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अभी भी 2-1 से आगे है।

युवा स्टार हैरी ब्रुक की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने हेडिंग्ले टेस्ट में तीन विकेट से जीत हासिल की। मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 263 रन पर सिमट गई। इसके बाद इंग्लैंड ने पहली पारी में 237 रन बनाए। इस तरह कंगारू टीम को 26 रन की बढ़त मिली। उसने दूसरी पारी में 224 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 251 रन का लक्ष्य दिया। मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में अपने तीसरे दिन के स्कोर बिना किसी विकेट के 27 रन से आगे खेलने उतरी। उसने सात विकेट पर 254 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया।

भारतीय गोलकीपरों के लिए शिविर आयोजित करेंगे पोल

नई दिल्ली। नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच डेनिस वान डि पोल चीन के हांगझोउ में सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिए बेंगलुरु में दो विशेष शिविर लगाएंगे। भारतीय टीम के साथ वान डि पोल का पहला शिविर 13 से 19 जुलाई तक होगा जबकि वह सात से 14 सितंबर तक एक हफ्ते तक चलने वाले एक अन्य शिविर के लिए फिर भारत आएंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण में मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में एक हफ्ते तक लगने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्रों में हिस्सा लेगी। पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान और पवन मलिक शिविर में हिस्सा लेंगे। वान डि पोल ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैं फिर से भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ एक संक्षिप्त शिविर के लिए जुड़ने से उत्साहित हूं।

प्रियांश कम्पाउंड तीरंदाजी में बने अंडर-21 वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लिमेरिक

भारतीय तीरंदाज प्रियांश यहां चल रही विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे जिससे देश के पदकों की संख्या नौ हो गई। प्रियांश शनिवार को एकतरफा पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज ब्रेंक को 147-141 से हराकर अंडर-21 विश्व चैंपियन बने।

इससे पहले उभरती हुई तीरंदाज अदिति स्वामी अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैंपियन बनीं। पिछले महीने विश्व कप में अंडर-18 कम्पाउंड महिला क्वालीफाइंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने इसी लय को जारी रखते हुए यहां चल रही युवा विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से पराजित किया। विश्व कप में सीनियर पदार्पण करते हुए अदिति ने पिछले महीने कोलंबिया में टीम कांस्य पदक जीता था। अदिति ने पिछले साल शारजाह में एशिया कप के तीसरे चरण में व्यक्तिगत रजत पदक भी अपने नाम किया था। भारत ने अभी तक नौ पदक जीत लिए हैं जिसमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

विश्व कप क्वालीफायर : 128 रन से जीता मैच

श्रीलंका 'लगातार 10वीं जीत' से बना चैंपियन, नीदरलैंड को रौंदा

एजेंसी ▶▶| हरारे

श्रीलंका ने शनिवार को यहां एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में नीदरलैंड को 128 रन के बड़े अंतर से शिकस्त देकर इस प्रारूप में लगातार 10वीं जीत दर्ज की। ये दोनों टीमें इस साल पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं।

इस जीत से श्रीलंका विश्व कप में क्वालीफायर एक और नीदरलैंड क्वालीफायर दो के रूप में टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद श्रीलंका की टीम 47.5 ओवर में 233 रन पर आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की पूरी पारी 23.3 ओवर में 105 रन पर सिमट गई। श्रीलंका के लिए सहान अराछिगे ने 71 गेंद में सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। कुसल मेंडिस (43), चरिथ असलंका (36), वानिंदु हसरंगा (29) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। मैन ऑफ द मैच दिलशान मदुशंका ने तीन विकेट और महीश तीक्षणा ने चार विकेट के अलावा हसरंगा ने भी दो विकेट चटकाए।

अराछिगे का शानदार प्रदर्शन

अराछिगे ने अपनी पारी के दौरान मेंडिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 72 जबकि असलंका के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी लेकिन 36वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टीम की पारी लड़खड़ा गई। नीदरलैंड के लिए विक्रमजीत सिंह, लोगन वैन बीक, रायन क्लाइन और साकिब जुल्फिकार ने दो-दो जबकि आर्यन दत्त ने एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड के लिए मैक्स ओ'डाउड ही श्रीलंका के गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर सके। वह 33 रन बनाकर तीक्षणा का शिकार बने। टीम के लिए उनके अलावा वैन बीक (नाबाद 20) और विक्रमजीत (13) ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके।

बारिश से पहाड़ों से लेकर मैदानों तक मचा हाहाकार

दिल्ली में बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, मोहाली की सोसाइटी में पानी भरा, नाव से लोगों को निकाला जा रहा, 3 राज्यों में 19 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली, हिमाचल, पंजाब सहित देश के उत्तरी राज्यों में भारी बारिश हो रही है। दिल्ली में 41 साल का रिकॉर्ड टूटा। 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे ज्यादा 153 मिमी बारिश हुई। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़ निगरानी पोर्टल के अनुसार, ओल्ड रेलवे ब्रिज पर यमुना का जलस्तर रविवार दोपहर एक बजे 203.18 मीटर था, जबकि खतरे का स्तर 204.5 मीटर है। दिल्ली में यमुना नदी के पास स्थित निचले इलाके बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं और वहां करीब 37,000 लोग रहते हैं।

बारिश के चलते जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना के दो जवान पोशाना नदी पार करते हुए डूब गए। वहीं हिमाचल में 5, जम्मू में 2 और यूपी में 4 लोगों की मौत हो गई। हिमाचल में ब्यास नदी ने काफी नुकसान पहुंचाया। एक पुल नदी में बह गया। वहीं कुछ दुकानें भी बाढ़ के पानी में समा गईं। नदी में फंसे पांच लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू किया। भारी बारिश के चलते देश के उत्तरीय राज्यों में 19 लोगों की मौत हो गई है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को भारी बारिश के कारण ब्यास नदी उफान पर बह रही है। नदी किनारे कई मंदिर आंशिक रूप से डूब गए हैं।

- हिमाचल प्रदेश में दो दिन के श्रीखंड महादेव यात्रा रोकी गई।
- तीन दिन के बाद पहलगाम रूट पर अमरनाथ यात्रा शुरू।
- दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही।
- मोहाली में बाढ़ जैसे हालात पर एनडीआरएफ टीम बुलाई गई।
- चंडीगढ़ में सुखना लेक का वाटर लेवल बढ़ा, बांध खोला गया।
- हिमाचल प्रदेश में दो दिन के लिए स्कूल-कॉलेज बंद किए गए।
- पंजाब के रोपड़ जिले में सभी स्कूलों में सोमवार को छुट्टी रहेगी।
- अमित शाह ने दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से हालात का जायजा लिया।
- दिल्ली में आज बंद रहेंगे सभी स्कूल, सीएम केजरीवाल ने फैसला लिया।

बारिश से भारी तबाही, छह लोगों की गई जान

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बारिश को लेकर जारी रेड अलर्ट के बीच प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान बारिश, लैंडस्लाइड के चलते 06 लोगों की **हिमाचल** मौत हो गई है। मृतकों में पति-पत्नी और पुत्र भी शामिल हैं। वहीं, चार राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रदेश की कई सड़कें बंद है। अहम बात यह है कि हिमाचल के बिलासपुर जिले में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। बारिश के कारण मंडी से मनाली तक चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं। लेह मनाली राजमार्ग पर 20 घंटे से आवाजाही नहीं हुई है।

उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में हाई अलर्ट

उत्तराखंड के देहरादून स्थित निदेशक, मौसम विज्ञान विभाग की ओर से **देहरादून** राज्य के तीन जिलों और 11 व 12 जुलाई दो दिनों के लिए कुल आठ जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार उत्तर भारत में 59 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मध्य भारत में सामान्य से चार प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। देश के मध्य क्षेत्र में 255.1 मिमी की तुलना में 264.9 मिमी बरसात हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 17 प्रतिशत कम बरसात हुई है।

पंजाब में बाढ़, 50 गांव खाली करने के दिए निर्देश

खराब मौसम की स्थिति के मद्देनजर पंजाब के जिला उपायुक्त विशेष सारंगल **जालंधर** ने उपमंडल मजिस्ट्रेट शाहकोट को एहतियात के तौर पर 50 निचले और बाढ़ संभावित गांवों को खाली कराने के लिए कहा है। डीसी ने रविवार को बाढ़ के प्रति संवेदनशील गांवों का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को नदी में जल स्तर पर कड़ी नजर रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए ताकि समय पर आवश्यक व्यवस्था की जा सके।

अमरनाथ: हेलिकॉप्टर सेवा बहाल, पदयात्रा स्थगित

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा रविवार को बहाल कर **श्रीनगर** दी गई, लेकिन खराब मौसम के कारण पहलगाम और बालटाल मार्गो से यात्रा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गयी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल आधार शिविर में रविवार सुबह हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू कर दी गई और तीर्थयात्रियों को अब तक पांच उड़ानों में दर्शन के लिए गुफा मंदिर ले जाया गया। उनमें से छह लोग अब तक अमरनाथ गुफा में दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस समय बादल छाए हुए हैं और रास्ते में जगह-जगह फिसलन है, जिससे पैदल यात्रा करना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मौसम में और सुधार होगा, यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी। दक्षिण कश्मीर में पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर से रविवार को रास्ते में फिसलन के कारण किसी भी यात्री को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई।

उफान पर गंगा और गंडक

मौसम विभाग ने बिहार के 10 जिलों में भारी बारिश **बिहार** और बिजली का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को तेज बारिश को लेकर प्रदेश के पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जिसमें किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार जिले शामिल हैं। जबकि 5 अन्य जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

झुंझुनूं, सीकर में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के 8 जिलों में सोमवार को भी बारिश का **राजस्थान** अलर्ट जारी किया गया है। झुंझुनूं, सीकर में बाढ़ जैसे हालात हैं। अगले 24 से 48 इस तरह बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक जालोर, पाली, राजसमंद, अजमेर, अलवर, जयपुर, नागौर, भीलवाड़ा जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

केंद्र के अध्यादेश पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को रद्द करने के अलावा इस पर अंतरिम रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनकी पदस्थापना के लिए एक प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया था। अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

जहरीली गैस रिसाव से तीन बच्चों समेत 16 की मौत

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफीका के जोहानिसबर्ग के पास बोक्सबर्ग शहर में एक सिलेंडर से जहरीली गैस का रिसाव होने से तीन बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, कम से कम 24 लोगों के मारे जाने की आशंका है। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं द्वारा बताई गई मृतक संख्या में विसंगति क्यों है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने बुधवार को बताया कि हादसा जोहानिसबर्ग के पूर्वी इलाके में बोक्सबर्ग शहर में एक बस्ती में हुआ। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता विलियम नतलाडी ने बताया कि एंजेलो बस्ती में एक झोपड़ी में रखे गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण यह हादसा हुआ।

सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख आतंकी ढेर, अमेरिका ने ड्रोन से दिया हमले को अंजाम

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने इस्लामिक स्टेट के एक प्रमुख नेता उसामाह अल-मुहाजिर को मौत के घाट उतार दिया। अमेरिकी सेना ने रविवार को इस बारे में घोषणा की। इसके मुताबिक टारगेटेड स्ट्राइक में पूर्वी सीरिया में स्थित इस्लामिक स्टेट के प्रमुख नेता को मार गिराया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एक बयान के अनुसार, हमला शुक्रवार को एमक्यू-9 ड्रोन का उपयोग करके किया गया था। करीब दो घंटे तक चलने वाली घटना के दौरान इस ड्रोन को रूसी विमान के हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को दिन में करीब दो घंटे तक चली मुठभेड़ में रूसी विमानों ने एमक्यू-9 एस ड्रोन को परेशान किया था। बाद में इसी ड्रोन ने हमले को अंजाम दिया। अमेरिकी वायु सेना ने बुधवार को ड्रोन और रूसी लड़ाकू विमानों के बीच मुठभेड़ को कथित तौर पर कैद करने वाले वीडियो फुटेज जारी किए। यह एमक्यू -9 रीपर्स के लिए युद्धाभ्यास की जरूरत को दर्शाता है। घटना पर चिंता जताते हुए अमेरिकी वायु सेना ने एक बयान में सीरिया में सक्रिय रूसी वायु सेना की कार्रवाई की निंदा की। साथ ही उन्हें गैर पेशेवर और असुरक्षित करार दिया। मध्य पूर्व में नौवीं वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिनकेविच ने बताया कि रूसी पायलटों में से एक ने जानबूझकर अपने विमान को एक ड्रोन के सामने तैनात किया। उसने जान-बूझकर ऑपरेटर द्वारा ड्रोन के सुरक्षित संचालन में बाधा डाली। आईएसआईएस नेता उसामाह अल-मुहाजिर के खिलाफ अमेरिकी सेना का हमला क्षेत्र में चरमपंथी समूह द्वारा उत्पन्न खतरे का मुकाबला करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

राहुल गांधी बोले- मैं बाइक से कश्मीर-लद्दाख जाना चाहता हूं

नई दिल्ली। राहुल गांधी बाइक से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख की यात्रा करना चाहते हैं। उनके पास केटीएम 90 बाइक है, लेकिन वो पड़ी है। क्योंकि सिक्योरिटी वाले चलाने नहीं देते। वे चिट्ठी लिखना शुरू कर देते हैं। यह बातें राहुल ने 27 जून को दिल्ली के करोल बाग में बाइक मैकेनिकों से कही थीं। रविवार को इस बातचीत का वीडियो राहुल ने यू-ट्यूब पर शेयर किया। 12 मिनट के इस वीडियो में उनकी करोल बाग की पूरी विजिट है। इसमें वे मैकेनिकों के सवालों के जवाब देते दिखाई दे रहे हैं। एक मैकेनिक ने उनसे पूछा- आप शादी कब कर रहे हैं? तो राहुल ने मुस्कुराते हुए कहा, देखते हैं...। इसके बाद राहुल गांधी बुलेट एक्सेसरीज की दुकान पर गए। वहां पर उन्होंने करीब 40 मिनट बिताए और बुलेट बाइक की कई बारिकियों पर बात की। राहुल गांधी ने चाय बिस्किट मंगाए। आर्मी वाली पेंट और बुलेट के बारे में जानकारी ली। वहीं, दुकान के मैकेनिक विक्की से पूछा कि शादी हुई? तो विक्की ने कहा कि आप करोगे तब कर लेंगे....। राहुल ने यहां गाड़ी की सर्विस के बारे में जानकारी ली। राहुल ने बाइक की सर्विस भी की। इसके बाद मैकेनिक से बात करते हुए कहा कि जो मैकेनिक नहीं हैं, जो गाड़ी का काम नहीं करता, उसको ये नहीं मालूम होता कि गाड़ी को ठीक होने में क्या लगता है।

वीडियो में बोले

मेक्सिको में ला जोर्नाडा के पत्रकार सांचेज का शव मिला

मेक्सिको (एजेंसी)। मेक्सिको के प्रमुख समाचार पत्रों में से एक ला जोर्नाडा के एक संवाददाता का शव शनिवार को पश्चिमी राज्य नायरिट के टेपिक शहर के पास पाया गया। पत्रकार लुइस मार्टिन सांचेज़ इनिग्वेज़, (59) बुधवार से लापता थे। पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक में उनकी मौत को उनके काम से जुड़ी हत्या माना जा रहा है।श्री सांचेज़ उन तीन पत्रकारों में से एक हैं जिनका हाल के दिनों में राज्य में अपहरण कर लिया गया।

श्री सांचेज की पत्नी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने के एक दिन बाद उनका शव शनिवार को टेपिक शहर के पास एल अहुआकाटे गांव में पाया गया। श्री सांचेज के सीने पर दो संदेश रखे हुए थे, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि उन पर क्या लिखा था। ऐसा माना जा रहा है कि श्री सांचेज़ की हत्या उनके शव मिलने से 24 से 48 घंटों के बीच की गई थी। श्री सांचेज का अपहरण एक शिक्षक और पूर्व रिपोर्टर के काम पर जाते समय लापता होने के एक दिन बाद हुआ। ओसिरिस नाम के इस व्यक्ति का पता अभी तक नही चला है।

कैलिफोर्निया में लैंडिंग से पहले प्लेन हुआ क्रैश, 6 लोगों की मौत

कैलिफोर्निया, (एजेंसी)। कैलिफोर्निया हवाई अड्डे के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। विमान में आग लग गई और 6 लोगों की मौत हो गई है। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक यह दुर्घटना लॉस एंजिल्स से करीब 130 किमी दक्षिण पूर्व में मुरिएटा में सुबह 4.15 बजे देखने को मिली है। मृतकों की अबतक पहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर फाइटर की टीम पहुंच गई। इस दौरान प्लेन में लगी आग को बुझाने में 1 घंटे से अधिक का समय लग गया। विमान ने लास वेगस के एयरपोर्ट से सुबह के 3.15 बजे उड़ान भरी थी।

यमन के हौउति गुट ने कुरान जलाने के बाद स्वीडन से आयात पर प्रतिबंध लगाया

सना, (एजेंसी)। यमन में हौउति गुट ने स्वीडन में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कुरान जलाने के विरोध में अपने नियंत्रण वाले देश के उत्तरी हिस्से में स्वीडन से आयात के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हौउति व्यापार मंत्री मोहम्मद अल-मुताहर ने कहा कि प्रतिबंध घटना के खिलाफ 'विरोध का संदेश' है। उन्होंने इसे 'ईशनिंदा का कार्य' बताया। उन्होंने कहा कि हौउति-नियंत्रित क्षेत्र पर प्रतिबंध का प्रभाव सीमित है क्योंकि यमन में स्वीडिश आयात बड़ी मात्रा में नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने स्टॉकहोम में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक इराकी शरणार्थी द्वारा कुरान जलाए जाने की कई इस्लामिक देशों ने निंदा की थी।

स्टॉकहोम पुलिस ने हालाँकि, शुरू में कुरान जलाने की अनुमति दे दी थी, बाद में स्वीडिश सरकार ने इस घटना की निंदा की और इसे 'इस्लामोफोबिक' कृत्य करार दिया। यमन के हौउति विद्रोहियों ने 2014 के अंत में कई उत्तरी प्रांतों पर कब्जा कर लिया, जिससे गृह युद्ध छिड़ गया।

मणिपुर हिंसा : पुस्तक प्रकाशन पर फेडरेशन के खिलाफ FIR

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर सरकार के गृह मामलों के आयुक्त ने राज्य पुलिस को 'द इनविटेबल स्प्लिट- मणिपुर में राज्य प्रायोजित जातीय सफाई पर दस्तावेज़, 2023' नामक पुस्तक प्रकाशित करने के लिए जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन यूनियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने पुलिस को किताब पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही प्रकाशकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मणिपुर के गृह आयुक्त ने आईपीसी की धारा 154 आदि के तहत 'आरोपी लेखक और संगठन' के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही करने और आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 95 के तहत पुस्तक के खिलाफ आवश्यक वारंट जारी करने का आग्रह किया। मणिपुर सरकार के गृह मामलों के आयुक्त द्वारा दायर शिकायत पत्र के जवाब में, ज़ोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन ने दावा किया कि मणिपुर सरकार 3 मई, 2023 से इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित मीडिया में हजारों झूठ फैला रही है।

आज का इतिहास

- 1246: नसीरुद्दीन मुहम्मद शाह दिल्ली की गद्दी पर आसीन हुआ।
- 1624: हॉलैंड और फ्रांस के बीच स्पेन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर किये गए।
- 1848: न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच पहला टेलीग्राफ लिंक शुरू हुआ।
- 1907: फ्रांस और जापान के बीच चीन की स्वतंत्रता एवं अखंडता को बरकरार रखने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
- 1946: इटली गणतांत्रिक राष्ट्र बना।
- 1965: महिलाओं के लिए पहला एनसीसी कालेज ग्वालियर में खुला।
- 1966: वायु सेना के लड़ाकू विमान मिग का महाराष्ट्र के नासिक में निर्माण शुरू।
- 1972: मुम्बई के मडगांव बंदरगाह से पूर्ण वातानुकुलित पोत हर्षवर्धन का जलावतरण।
- 1983: ब्रिटेन में मार्गरेट थैचर पुनः प्रधानमंत्री बनीं।
- 1986: भारत ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर लॉर्ड्स में पहला टेस्ट जीता।

यूट्यूब पर लीक हुई आदिपुरुष

नई दिल्ली। प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान स्टारर आदिपुरुष का जादू अब खत्म हो चुका है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म पाई-पाई को तरस रही है। रामायण पर आधारित आदिपुरुष को दर्शकों ने नकार दिया है। फिल्म को विवादों का नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, इस बीच खबर आई है कि आदिपुरुष यूट्यूब पर लीक हो गई है। इतना ही नहीं पूरी की पूरी फिल्म यूट्यूब पर आ गई है जिसे चंद मिनटों में ही कई मिलियन व्यूज भी मिल चुके हैं। इससे पहले आदिपुरुष ऑनलाइन पायरेसी का शिकार हुई थी। पायरेसी वेबसाइट्स के बाद अब फिल्म यूट्यूब पर भी लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म एचडी क्वालिटी में यूट्यूब पर उपलब्ध है। यूजर्स इसे थिएटर में देखने की बजाय अब यूट्यूब पर देख रहे हैं।

Filmi अड्डा

बवाल का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म बवाल का ट्रेलर रविवार को दुबई में रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के मौके पर डायरेक्टर नितेश तिवारी के साथ प्रोड्यूसर साजिद नाडियावाला भी मौजूद रहे। इसके साथ ही फिल्म की स्टारकास्ट भी मौके पर मौजूद रही। फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद भी किया जा रहा है। फिल्म बवाल का 21 जुलाई को भारत के साथ-साथ दुनिया के 200 देशों एवं क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगा। फिल्म 'बवाल' की कहानी हाई स्कूल में इतिहास पढ़ाने वाले एक साधारण शिक्षक, अजय दीक्षित के इर्द-गिर्द घूमती है। जो काफी मशहूर हैं और लोग उन्हें अज्जू भैया के नाम से भी जानते हैं। उसने इस शहर में लोगों के बीच अपनी झूठी छवि बनाई है। इसी वजह से वह यहां के लोगों के लिए किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। हालात की वजह से मजबूर होकर उसे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान यूरोप के सफर पर निकलना पड़ता है। और न चाहते हुए भी उसे अपनी नई-नवेली पत्नी 'निशा' को साथ ले जाना पड़ता है।

इसरो: एसएसएलवी को पूरी तरह से निजी क्षेत्र को सौंपने की तैयारी

छोटी सैटेलाइट्स की लॉन्चिंग में होता है इस्तेमाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही अपने छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) को निजी क्षेत्र में ट्रांसफर करेगा। इससे पहले वह रॉकेट के जरिए दो विकास उड़ानों को लॉन्च करेगा, जो 500 किलोग्राम तक वजन वाले सैटेलाइट को पृथ्वी की निचली कक्षा (लॉ-अर्थ ऑर्बिट) में रखने के लिए ऑन-डिमांड सेवाएं प्रदान करना चाहता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंतरिक्ष एजेंसी ने मिनी रॉकेट को उद्योग में हस्तांतरित करने के लिए बोली का रास्ता चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम एसएसएलवी को पूरी तरह से निजी क्षेत्र को ट्रांसफर कर देंगे। पिछले साल अगस्त में एसएसएलवी की पहली उड़ान दूसरे चरण के पृथक्करण के दौरान 'इक्विपमेंट बे डेक' पर थोड़े समय के लिए कंपन गड़बड़ी के कारण विफल रही थी। इसरो ने इस गड़बड़ी का गहन विश्लेषण किया और सुधारात्मक कदम उठाए और फिर फरवरी में एसएसएलवी का सफल प्रक्षेपण किया। एसएसएलवी ने इसरो के ईओएस-07, अमेरिकी कंपनी एंटारिस के जेनस-1 और चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'स्पेस किड्ज' केएस आजादी सैट-2 सैटेलाइट्स को 450 किलोमीटर के सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया।

भाविप की काशी शाखा का 36वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया

कबीर म्यूजिकल चार्टर नाईट-ढाई आखर में संस्थापक स्व. बाबू प्रेमदास जी को किया नमन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुसंगिक संगठन भारत विकास परिषद् की काशी शाखा का 36वां स्थापना दिवस समारोह कबीर म्यूजिकल चार्टर नाईट - ढाई आखर के रूप में कैन्टोमेंट स्थित होटल सूर्या के केसर हाल में आयोजित हुआ ` इस मौके पर शाखा 36 वर्षो के सफर के पूर्व अध्यक्ष, सचिव, महिला संयोजिका को उनके समर्पित सेवा कार्यों के लिये सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल एवं प्रांतीय पदाधिकारियों सहित काशी शाखा के कार्यक्रम पर्यवेक्षक मनोज गुप्ता द्वारा मां भारती एवं युवा प्रेरणाश्रोत स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वन्देमातरम से हुआ। इस मौके पर कबीर पंथ के ताना बाना ग्रुप के कलाकारों ने हिन्दी साहित्य के निर्गुण धारा के कवि संत कबीरदास के विचारों कबीर वाणी का संगीतमय रसपान कराया ` ग्रुप के सदस्य कलाकारों देवेन्द्र दास (डफली), डा.भगीरथ

(एकतारा), गौरव (करताल) एवं कृष्णा (गिटार) ने कबीर वाणी की शुरूआत संत कबीरदास के साखी (दोहे) कबीर जब पैदा हुए, जग हंसे हम रोये ` । ऐसी करनी हम कर चले, हम हंसे जग रोये से की और पसी के साथ सभी श्रोता कबीर के रंग में रंगते चले गये जिसके बाद सबद मन लागा मेरो यार फकीरी में एवं घूंघट के पट खोल, तोहे पिया मिलेंगे की प्रतुति ने सभी को भावविभोर कर दिया और सभी साथ साथ गुनगुनाने लगे ` राम नाम रस भीनीं रे भीनीं, चदरिया झीनीं रे झीनीं एवं जरा धीरे - धीरे हांको गाड़ी मेरे राम गाड़ी वाले प्रस्तुत करने के साथ ही संत कबीरदास के विचारों को आज समाज की जरूरत बताया ` इस मौके पर अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि 8 मई 1988 को भारत विकास परिषद ह्याकाशी के नाम से सामाजिक एवं पारिवारिक संस्था का जन्म हुआ हम सबके प्रिय एवं स्वर्गीय बाबू प्रेमदास ने 28 संस्थापक सदस्यों के सहयोग से भारत विकास परिषद काशी रूपी पौधे को रोपण करने के साथ सींचा और एक वट वृक्ष के रूप में स्थापित किया। देव प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि समय के साथ काशी शाखा को ऐसी प्रतिभाओं का साथ मिला जिनके नेतृत्व में हमने ऐसी ऊंची उड़ान भरी जिसकी कभी किसी ने कोई कल्पना भी नहीं की और जो वर्तमान में भी निरंतर जारी है। अब हमारा दायित्व है कि अपने उन नेतृत्वकर्ता संस्थापक सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों, पूर्व सचिवों एवं पूर्व महिला संयोजिकाओ के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका सम्मान करें, जिन्होंने वर्ष पर्यंत परिश्रम करके शाखा आसमां की ऊंचाईयों तक पहुंचाया। इसी क्रम में ह्याकाशी शाखा के नये सदस्यों को संकल्प दिलाने के बाद मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल द्वारा पिन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अनूप अग्रवाल, हरियाली अग्रवाल ने किया ` इस मौके पर प्रमुख रूप से सचिव गौरव गुप्ता, महिला संयोजिका रश्मि शाह, अभय सिंह, मीना सिंह, राजेश अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, अजय गौतम मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद के 60वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत विकास परिषद के 60वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन काशी प्रांत के वाराणसी जिले के सभी 18 शाखाओं के द्वारा काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित के एन उडप्पा सभागार में किया गया सर्वप्रथम मां भारती एवं विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सूर्य कुमार सिंह निदेशक चिकित्सा विद्या संस्थान, बीएचयू थे उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत विकास परिषद द्वारा किए गए कार्यों की चाहे वह बनवासी क्षेत्र में हो ,शिक्षा क्षेत्र में हो, स्वास्थ के क्षेत्र में हो एवं अपने से कमजोर वर्गों के बीच काम करने का हो सभी की भरपूर सराहना किया स्वागत जिला समन्वयक योगेश कुमार श्रीवास्तव एवं आतिथ्य

शाखा अध्यक्षा रंजना केशरी ने किया कार्यक्रम में जिले की सभी शाखाओं द्वारा कुटुम्ब संस्कार के ऊपर नृत्य नाटिका एवं विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम में पूर्व प्रांतीय अध्यक्षगणों एवं जिले के शाखाओं के निवर्तमान अध्यक्षगणो का सम्मान प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल एवं प्रांतीय महासचिव रवि जायसवाल के द्वारा किया गया ` इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय दायित्व धारी निर्मल जोशी ने सभा को संबोधित किया एवं रीजनल संयुक्त महासचिव प्रमोद राम त्रिपाठी ने भारत विकास परिषद का परिचय सभा को दिया ` संचालन सुनील सिन्हा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन अतिथ्य सत्यम शाखा के अध्यक्ष किशन पेशवानी ने दिया इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के निम्नलिखित लोग उपस्थित थे ` प्रांतीय महिला संयोजिका सुप्रिया जड़िया, रिजनल महासचिव नवीन श्रीवास्तव ,राष्ट्रीय मंत्री डॉ.शिप्राधर रीजनल सचिव डाक्टर कविता शाह ,पूर्व रीजनल सचिव रमेश लालवानी, निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष सी.ए.मुकुल शाह ,विनीता श्रीवास्तव ,विवेक तिवारी एवं राजीव कुमार पाण्डेय ,सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

परिंदों के लिए दाना-पानी एवं आशियाना मुहिम शिक्षक ने छात्रों की मदद से बना डाला घोंसले

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कुछ करने की इच्छा हो तो मंजिल तक पहुचने का रास्ता बन ही जाता है। कुछ ऐसा ही अपने इच्छा को पिंडरा ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी के सहायक अध्यापक कमलेश पांडेय ने दिखाई और बेजुबानों के लिए घर बनाया। यही नही बेजुबानों के प्रति बच्चों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अपने विद्यालय में गौरेया के कृत्रिम घोंसले को जगह दी। इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए गांव गांव तक फैलाने के काम में जुटे हुए हैं। शिक्षक ने इस अभियान को गांव तक पहुचाने और बच्चों को जोड़ने के लिए एक वर्कशॉप आयोजित कर कबाड़ से जुगाड़ के तर्ज पर छात्र अपने घर से लाई अनुपयोगी

रैक की लकड़ियों व विद्यालय में पड़ी लकड़ियों से गौरैया संरक्षण अभियान को प्रबलित करते हुए बच्चों संग आशियाना बना डाला। जिसे विद्यालय परिसर में लगे वृक्षों के ऊपर टांग दिया। यह बेजुबा परिंदों के लिए स्थायी आवास होगा। उनका मानना है कि यह प्रयास बच्चों एवं अभिभावकों के लिए प्रेरक बनेगा और पारिस्थितिकी तंत्र से विलुप्त होती गौरैया को एक बार पुनः वापस लाया जा सकेगा। इससे पूर्व इन्हें राज्य स्तरीय परिंदा प्रणय सम्मान भी मिल चुका है।

जूनियर हाइस्कूल भलूही के बच्चों को भेंट हुई शिक्षण सामग्री

विद्यार्थी को देश व प्रदेश के प्रत्येक हिस्से की जानकारी होनी चाहिए : डॉ0 गौरव तिवारी

प्रखर कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा चलाये जा रहे पढ़ेगा भारत : बढ़ेगा भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर पालिका परिषद कुशीनगर के वीर अब्दुल हमीद नगर स्थित जूनियर हाइस्कूल के बच्चों को बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 गौरव तिवारी के सहयोग से उनके जन्मोत्सव पर शिक्षण सामग्री जैसे कॉपी, कलम, देश व प्रदेश का मानचित्र इत्यादि भेंट किया गया। बच्चों को संबोधित करते डॉ0 गौरव तिवारी ने कहा कि जिस तरह हम सब अपने घर, खेत और जमीनों के बारे में सजग रहते हैं और उन्हें ठीक से जानते हैं उसी तरह प्रत्येक विद्यार्थी को अपने देश और प्रदेश के प्रत्येक हिस्से की जानकारी होनी चाहिए। अपने देश और संस्कृति को

भौगोलिक रूप से जानना भी हमारा कर्तव्य है। बच्चों के समूह द्वारा नक्शे को खेल बनाकर इस जानकारी को बहुत सहजता से पुख्ता किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई सिर्फ किताबों में सिर खपाकर नहीं की जाती, अपने चारो तरफ के वातावरण और परिस्थितियों को संवेदनशीलता से समझना भी पढ़ाई है। विद्यार्थियों का इसके लिए जागरूक होना अति आवश्यक है। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि आज भी बहुत सारे बच्चे शिक्षण सामग्री खरीदने की स्थिति में नही है। ऐसे में नयी दिशा सक्षम लोगों के सहयोग से यथा सम्भव बच्चों तक शिक्षण सामग्री पहुंचाने का प्रयास कर रही। उन्होंने सक्षम लोगों से बच्चों के सहयोग हेतु आगे आने की अपील की। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका सुधा कुमारी, डॉ0 प्रतिभा तिवारी, सुदर्शन इत्यादि उपस्थित रहे।

नहीं रहे कायस्थ महासभा के राजेंद्र अस्थाना, शोक सभा का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को सुबह अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर उनकी अध्यक्षता में एक शोकसभा सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में कल शाम मालगोदाम रोड पर एक सड़क दुर्घटना में हुई मौत से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पुर्व जिला महामंत्री और विधुत विभाग के सेवा निवृत्त कर्मचारी रहे राजेंद्र अस्थाना जी और कासिमाबाद सेन्ट्रल बार संघ के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव जी की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राजेन्द्र जी कायस्थ महासभा के वरिष्ठ नेता थे। वह कायस्थ समाज के उत्थान के लिए सदैव चिंतित रहते थे। वह महासभा के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनके निधन से पूरा का पूरा कायस्थ समाज मर्माहत है। उनके निधन से

कायस्थ समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। शोकसभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस शोकसभा मे मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के साथ साथ मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, केशव श्रीवास्तव, भाजपा नेता अरुण कुमार श्रीवास्तव चुन्नू, पप्पू लाल श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, अरुण सहाय, दीपक श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, राजेश श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, अरविंद सिन्हा, आनन्द श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर बना दो की मौत का कारण, एक और युवक की मौत

प्रखर जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धर्म सारी गांव के पास ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक की मौत हो गई। यह घटना सोमवार 11 बजे की है इसी थाना क्षेत्र के पचौरा गांव निवासी सूरज राम का 38 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार अपनी बाइक से घर से निकला था कि जब धर्मसारी के पास पहुंचा उसी समय सामने से आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों के साथ परिवार की रूप से लेकर गिरा अस्पताल है जहां उपचार के दौरान उसकी दो घंटे बाद उसकी मौत हो गई। कहा जाता है कि जिस ट्रैक्टर से दुर्घटना होने पर उसकी मौत हुई है उसी ट्रैक्टर से एक माह पूर्व मिट्टी लाद कर यह ट्रेक्टर की चपेट में आने से एक और युवक की जान जा चुकी है। मिट्टी लदा हुआ यह ट्रैक्टर लगातार लोगों की मौत का कारण बनता जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अज्ञात युवक की सिर कटा लाश मिलने से फैली सनसनी

प्रखर जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के चौकी जमालापुर अंतर्गत गंधौना गांव के दुबान में स्थित पोखरी के पास झाड़ी में सिर कटी अज्ञात लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह ग्रामीणों ने शौच के लिए पोखरी पर गए तो दुर्गंध आने पर लाश का पता चला। सिर कटी लाश का पता जैसे ही ग्रामीणों को चला वहां सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शव की पहचान करने लगे लेकिन आसपास का नहीं होने से ग्रामीणों को पहचान नहीं हो सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया है। रामपुर के जमालापुर चौकी अंतर्गत गंधौना दुबान गांव के पश्चिमी छोर पर पोखरी स्थित है। जो झाड़ियों से घिरा हुआ है। गांव के लोग सुबह मॉर्निंग वॉक एवं शौच के लिए प्रतिदिन पोखरी पर आते जाते हैं। सोमवार की सुबह ग्रामीण जैसे ही पोखरी की तरफ गए तेजी से दुर्गंध आ रहा था। जब ग्रामीण दुर्गंध की तरफ पहुंचे तो एक 40 वर्षीय युवक का शव पड़ा हुआ देखा। जब शव के पास ग्रामीण पहुंचे तो उसका सिर धड़ से गायब था। सिर गायब होने की समाचार जैसे ही

कानो-कान ग्रामीणों में फैली तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते पोखरी पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और शव की पहचान करने में जुट गए। लेकिन आसपास के किसी युवक का शव नहीं होने से ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को सूचना दिया। ग्राम प्रधान ने चौकी प्रभारी कश्यप सिंह को घटना की जानकारी दिया। सूचना पर सिधवन चौकी प्रभारी एवं जमालापुर चौकी प्रभारी कश्यप सिंह एवं थानाध्यक्ष चंदन कुमार राय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और झाड़ी से शव को बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस ने शव की पहचान ग्रामीणों द्वारा कराना शुरू कर दिया लेकिन किसी भी ग्रामीणों ने अज्ञात मृतक युवक की पहचान नहीं कर सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए 24 घंटे के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया है। क्षेत्र में सिर कटी शव मिलने से तरह-तरह की चचाएं आम हो गई है। शव से दुर्गंध आने से ही लगता है कि दो-तीन दिन पहले से हत्यारों ने युवक की हत्या कर शव को झाड़ी में फेंक दिया था अथवा रात में ही शव को किसी ने लाकर वह ठिकाने लगाने का काम किया है। घटना के संबंध में चंदन कुमार राय ने बताया कि शव को मोर्चरी हाउस भिजवाया गया है घटना की तफ्तीश की जा रही है।

6 दिवसीय रानी लक्ष्मीबाई बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण का द्वितीय सत्र शुरू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान पर 10 जुलाई से 23 जुलाई तक चलने वाले 6 दिवसीय वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई बालिका आत्मरक्षा हेतु कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय व कम्पोजिट विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय के अनुदेशक, शारीरिक शिक्षा की शिक्षिकाओ का प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र का शुभारम्भ विजय प्रताप सिंह प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उक्त प्रशिक्षण का आयोजन संयुक्त रूप से बेसिक शिक्षा विभाग एवं क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान के सहयोग से चल रहा है। इस दौरान संस्थान के आचार्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया की प्रशिक्षण में बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु अनेक हुनर को बताया जा रहा है यह प्रशिक्षण मास्टर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण है जिसको प्राप्त करने के बाद ये विद्यालयों में जाकर बच्चों को प्रशिक्षित करेंगी। प्रशिक्षण मे बालिकाओं के आत्मरक्षा मे होने वाली परेशानियों एवं समाधान हेतु अनेक उपाय सुझाये जा रहें है प्रशिक्षण में विभिन्न विकास खंडो से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है।

इस प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में संजय भारद्वाज एवं केशव सिंह जी रहे ' आचार्य ने यह भी बताया की प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें है। प्रशिक्षण कई चरणों में संपन्न होगा उक्त प्रशिक्षण को सफल बनाने में आनंद श्रीवास्तव एवं संजय मौर्या का विशेष योगदान रहा।

हर-हर महादेव जयघोष के साथ गूंजा शिवालय

"डीएम और एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा"

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव के नाम से प्रसिद्ध प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मंदिर पर सावन के प्रारम्भ होते ही पहला सोमवार की वजह से कांवरियों समेत हजारों शिव भक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना किया।रविवार के शाम से ही कांवरियों का जत्था त्रिलोचन महादेव मंदिर पर इकट्ठा होने लगा।सोमवार को तीन बजे भोर में मंदिर का मुख्य गेट खुलते ही पुरा मंदिर हर-हर महादेव के जयकारे से गुंजने लगा।शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए कांवरियों सहित गैरजनपद से आये व क्षेत्रिय शिव भक्तों की लंबी कतार लग गयी।जो दोपहर 2 बजे तक लगी रही।लोगों का आस्था बाबा भोले नाथ के प्रति काबिले तारीफ था।दोपहर में पहुंचे जौनपुर जिलाधिकारी अनुज कुमार

झा व पुलिस अधीक्षक डा.अजय पाल शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।श्री झा ने कांवरियों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए कड़े निर्देश दिये।जिलाधिकारी के आदेश पर 24 घंटे स्वास्थ कर्मियों की तैनाती,एंबुलेंस की व्यवस्था की शिव भक्तों के लिए की गयी थी।मंदिर की सुरक्षा खुद केराकत सीओ गौरव शर्मा के निगरानी में हो रहा था।सीओ मंदिर परिसर व मेले का चक्रमण करते रहे।जलालपुर थानाध्यक्ष राम सरिख गौतम समेत जिले के कई थानाध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ मंदिर सुरक्षा में लगाऐ गये थे।कांवरियों तथा दर्शनार्थियों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस कर्मियों सहित महिला पुलिस कर्मी और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गयी थी।इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुराग वर्मा,मंदिर प्रबंधक मुरलीधर गिरि, फिल्म अभिनेता/ समाजसेवी चन्दन सेठ, गुरूगोपाल सिंह, सोनू गिरि, सत्यम अग्रहरी, जितेन्द्र मिश्रा, सुदर्शन मिश्रा इत्यादि लोग डटे रहे। संचालन रामचन्द्र सिंह ने किया।

संक्षिप्त खबरें

सावन के पहले सोमवार पर बन रहा दुर्लभ योग : शिवम पांडेय

प्रखर वाराणसी। सावन के पहले सोमवार को बनारस के देउरा ग्राम निवासी शिवम पांडे ने पंचकोशी मार्ग पर देउरा पोखरा स्थित शिवलिंग और सैकड़ों साल से भी ज्यादा पुराने शुलटंकेश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक किया। दर्शन पूजन और शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के बाद शिवम पांडे ने बताया कि आज सावन माह की शुरूआत हो गई है. काशी के सभी प्रसिद्ध शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ है. इन दिनों भगवान शिव के मंदिर में हर हर महादेव और बम बम भोले का जयघोष हो रहा है. वैसे तो सावन के पूरे महीने किसी भी दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाने का महत्व है, लेकिन सावन महीने में पड़ने वाले सोमवार के दिन शिवजी के पूजा करने और रुद्राभिषेक करने का अपना अलग ही महत्व है. इस बार सावन का पहला सोमवार दस जुलाई को पड़ रहा है. इस दिन बहुत दुर्लभ शोभन योग बन रहा है. मान्यता है कि शोभन योग में शिव जी की पूजा करता है उस पर भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

युवक ने पत्नी की विदाई नहीं होने से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया

प्रखर जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के गुतवन गांव में रविवार की रात युवक ने पत्नी की विदाई नहीं होने से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। युवक अपने ससुराल गया था। जहां से पत्नी ने उसके साथ आने से इंकार कर दिया था। जिससे अवसाद से ग्रसित होकर युवक ने घर पहुंचा और कमरे में जाकर फांसी लगा लिया। रात में ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि गुतवन गांव निवासी रविंद्र कुमार यादव उर्फ जितेंद्र पुत्र स्व. चंद्रबली यादव अपनी पत्नी की विदाई कराने के लिए वाराणसी जनपद के फूलपुर गांव स्थित ससुराल गया था। जहां पर पत्नी ने पति जितेंद्र के साथ जाने से इंकार कर दिया। जिसके बाद युवक घर आया और अपने कमरे में जाकर पंखे के सहारे फांसी पर लटक गया। रविवार की देर रात जब परिजन खाना खाने के लिए कमरे में बुलाने गए तो घटना का पता चला सका। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचला

प्रखर कछवाँरोड। वाराणसी के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के बिहड़ा गांव के सामने हाईवे पर रविवार की शाम वाराणसी के तरफ से प्रयागराज की तरफ जा रहे बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया जिससे युवक की घटना स्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक, भदोही जनपद के गोपीगंज थाना क्षेत्र के माधोरामपुर निवासी जितेंद्र गौतम (27) एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्य करता है। रविवार को कंपनी के काम से गाजीपुर गया हुआ था। वापस घर जाते समय बिहड़ा गांव के सामने हाइवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सिर कुचल गया जिससे उसकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी कछवांरोड अतुल कुमार मिश्रा ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर मृतक के जेब में मिले आधार व कागजात के आधार पर पहचान कर मृतक के परिजनों को सूचना दिया। मृतक अपने पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था व तीन बच्चों का पिता बताया गया। मृतक के मौत की सूचना मिलते ही पत्नी मनीषा समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। मृतक युवक अगर हेलमेट लगाया होता तो शायद उसकी जान बच जाती। वहीं आज ही हाइवे का एक लेन कांवरियों के लिये सुरक्षित किया गया है और वन वे होते ही एक बाइक सवार की जान गई।

शीतला चौकियां धाम ,शीतला अष्टमी के पावन पर्व पर भक्तो का उमड़ा जनसैलाब

प्रखर जौनपुर। पूर्वांचल की आस्था का केन्द्र शीतला चौकियां धाम में सावन माह की शीतला अष्टमी तिथि के पावन पर्व पर भक्तो का उमड़ा जनसैलाब। प्रातः काल मन्दिर के कपाट खुलने के पश्चात मातारानी जी का श्रृंगार कर आरती पूजन किया गया। भक्तो की भारी कतार लगी रही बारी बारी से भक्तजन दर्शन पूजन करते हुए नजर आए।अष्टमी तिथि होने के कारण बसीऔरा पूजन में हलुवा पूरी रोट अक्षत हल्दी से भक्तो ने मातरनी जी पूजन किया। वही मन्दिर के बगल में स्थित पवित्र कुंड में भी भक्तों ने विधि विधान से पूजन किया। मेला सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से मन्दिर परिषद छेत्र में जगह जगह पुलिस बल तैनात रहें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं